



वर्ष-31 अंक : 30 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख पूर्णिमा 2083 शुक्रवार, 1 मई-2026

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH



अनिल अंबानी समूह से जुड़े बैंकिंग घोटाले पर सुनवाई  
टली : सुप्रीम कोर्ट ने 8 मई की तारीख तय की

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) से जुड़े कथित बड़े बैंकिंग घोटाले के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई को 8 मई तक के लिए टाल दिया है। यह मामला हजारों करोड़ रुपये के कथित लोन फ्रांड से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें पूर्व नौकरशाह ई.ए.एस. सरमा ने दाव्य किया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि अनिल अंबानी समूह की कंपनियों ने 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के बैंक लोन में धोखाधड़ी की है और इस मामले की अदालत की निगरानी में जांच होनी चाहिए।

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संधी हैदराबाद ✽ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

# परमाणु हथियारों और मिसाइलों पर नहीं करेंगे समझौता

ईरान के सुप्रीम लीडर की दो टूक, अमेरिका को हड़काया



तेहरान, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के सर्वोच्च नेता मोज्ताबा खामेनेई ने कहा है कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में नई शुरूआत हो रही है और इसका भविष्य अमेरिका के बिना तय होगा। उन्होंने भी कहा कि इस्लामी गणराज्य अपनी परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में संरक्षित करेगा। ईरान की सरकारी मीडिया में जारी उनके

संदेश में कहा गया कि खामेनेई ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर किसी भी तरह से समझौते से इनकार किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि फारस की खाड़ी में अमेरिकियों का एकमात्र स्थान इसके पानी की गहराई में है और इस क्षेत्र के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। यह संदेश इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी ने 'नेशनल पश्चियन गल्फ डे' के

‘कहीं उन्हें दिल का दौरा न पड़ जाए’

यूएस को दी खतरनाक हथियार की धमकी

तेहरान, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे हैं। ईरान ने अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ जारी संघर्ष के बीच एक नए और डर पैदा करने वाले हथियार के इस्तेमाल की खुली चेतावनी दी है। ईरानी नौसेना प्रमुख रियर एडमिरल शहराम ईरानी ने सरकारी मीडिया से बातचीत में कहा कि इस्लामिक गणराज्य बहुत जल्द ऐसा हथियार इस्तेमाल करेगा जिससे दुश्मन बुरी तरह घबरा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह हथियार दुश्मन के बेहद करीब मौजूद है और तंज कसते हुए बोले, उम्मीद है कि उन्हें दिल का दौरा न पड़ जाए। ईरानी कमांडर ने सिरे अमेरिकी रणनीति पर भी तीखा

# राज्यसभा चुनाव विवाद : ओडिशा में विधायकों को दोबारा मिले मतपत्र

> सीईसी ज्ञानेश कुमार का निर्देश-राज्य निर्वाचन आयोग करे सुनवाई

भुवनेश्वर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग ने ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को बीजद की शिकायतों पर सुनवाई करने का निर्देश दिया है। इस शिकायत में 16 मार्च को राज्यसभा चुनाव के दौरान दो भाजपा विधायकों को दूसरा मतपत्र जारी किए जाने के मामले में कार्रवाई की मांग की है। चुनाव आयोग का यह निर्देश बीजद सांसद संस्मित पात्रा की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सौंपी गई। भारतीय निर्वाचन आयोग के अवर सचिव राजेश कुमार सिंह द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि बीजद प्रतिनिधिमंडल की शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाना चाहिए। चुनाव आयोग के निर्देश पर प्रतिक्रिया देते हुए विपक्षी दल ने एक बयान में कहा कि बीजद चुनाव आयोग की इस त्वरित और जिम्मेदार कार्रवाई की सराहना करती है, जो लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास को मजबूत करती है। चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, बीजद ने कहा कि उसका प्रतिनिधिमंडल ओडिशा के मुख्य



निर्वाचन अधिकारी के समक्ष सभी प्रासंगिक तथ्यों और चिंताओं को प्रस्तुत करेगा और इस मामले में उचित स्पष्टीकरण और कार्रवाई की मांग करेगा। पात्रा ने चुनाव आयोग को दिए अपने ज्ञापन में 16 मार्च को राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा के दो विधायकों (उपासना मोहापात्रा और पूर्ण चंद्र सेठी) को दूसरा मतपत्र जारी किए जाने से संबंधित गंभीर चिंताओं को उजागर किया था। बीजद ने चुनावी प्रक्रियाओं और पहले मतपत्र पर निशान लगाने के बाद दूसरा मतपत्र जारी करने में मतदान प्रक्रिया की पवित्रता पर सवाल उठाए हैं।

# ‘जैसे किसी आतंकी को गिरफ्तार करना हो’

> पवन खेड़ा की जमानत याचिका पर तीखी बहस, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस याचिका में कांग्रेस नेता ने असम के मुख्यमंत्री हिमांता बिस्वा सरमा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अयोषित संपत्तियां रखने के आरोपों से जुड़े मामले में अग्रिम जमानत मांगी है। जस्टिस जे.के. महेश्वरी और

न्यायमूर्ति ए.एस. चंद्राकर की पीठ ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। खेड़ा ने कहा कि अगर उन्हें दर्ज मामले में अग्रिम जमानत नहीं मिलती है तो गिरफ्तारी पूर्व जमानत का पूरा उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। खेड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सुनवाई के विषय हैं और

उन्हें गिरफ्तार कर अपमानित करना आवश्यक नहीं है। उन्होंने यह भी दलील दी कि उनके खिलाफ लगाई गई धाराओं में से कुछ जमानती हैं जबकि अन्य में गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है। असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि खेड़ा ने मुख्यमंत्री की पत्नी के पासपोर्ट की फर्जी और छेड़छाड़ की गई प्रतियां पेश की हैं।

मनमाने हवाई किराये पर सुप्रीम कोर्ट सरख्त

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात को केंद्र सरकार को फटकार लगाई। दरअसल, सरकार ने उस याचिका पर अपना हलफनामा अब तक दाखिल नहीं किया, जिसमें देश के निजी की ओर से लगाए जाने वाले हवाई किराए और अन्य शुल्कों में अचानक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश देने की मांग की गई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ

# सरकार से कहा-तीन बार समय दिया, फिर हलफनामा क्यों नहीं आया?

सुनवाई कर रही थी। पीठ ने केंद्र से कहा कि वह एक आवेदन के साथ हलफनामा दाखिल करे और बताए कि अब तक हलफनामा क्यों नहीं दिया गया और और समय क्यों मांगा जा रहा है। पिछले साल 17 नवंबर को कोर्ट ने केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से एक याचिका पर जवाब मांगा था। यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायणन ने दायर की थी, जिसमें मांग की गई थी कि एक मजबूत और स्वतंत्र नियामक संस्था बनाई जाए जो विमान क्षेत्र में



पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। गुजरात की सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि केंद्र ने अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया है। केंद्र के

वकील ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति का हवाला दिया। इस पर कोर्ट ने पूछा कि आखिर ऐसा क्या है जो आपको हलफनामा दाखिल करने से रोक रहा है? केंद्र के वकील ने कहा कि नियम बनाने पर विचार चल रहा है। इस पर कोर्ट ने कहा कि आप हलफनामा दाखिल करें और सब कुछ रिकॉर्ड में रखें। तीन बार समय दिया जा चुका है, फिर भी हलफनामा क्यों नहीं आया? केंद्र ने तीन हफ्ते का समय मांगा, लेकिन कोर्ट ने यह मांग स्वीकार नहीं की और कहा कि हलफनामा

अगले सप्ताह तक देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा? शीर्ष कोर्ट ने कहा कि आपका हलफनामा अगले शुक्रवार (8 मई) तक आ जाना चाहिए। अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि 17 नवंबर को नोटिस जारी होने के बावजूद अब तक कोई हलफनामा दाखिल नहीं किया गया है। आज भी केंद्र ने और समय मांगा, जिसे कोर्ट ने स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर उचित आवेदन और हलफनामा दाखिल किया जाए।

पंजाब में लगेगा राष्ट्रपति शासन!

कई आप विधायक भाजपा में जाएंगे, कांग्रेस सांसद सुखजिंदर रंधावा का बड़ा दावा



चंडीगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। गुरदासपुर से कांग्रेसी सांसद एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दावा किया है कि पंजाब सरकार संकट में है और अगर वाले समय में सबे में राष्ट्रपति शासन लगा सकता है। रंधावा ने स्पष्ट किया कि पूर्व सीएम चरणजीत चव्वा और उनके समेत चार कांग्रेसी सांसदों के भी भाजपा में संपर्क होने की अफवाह फैलाई गई थी मगर मैं विश्वास से बताना चाहता हूं कि कांग्रेस का कोई भी मौजूद सांसद और विधायक पार्टी छोड़ने वाला नहीं है। आम आदमी पार्टी में उथल-

पुथल की स्थिति जरूर चल रही है। रंधावा ने कहा कि मुझसे किसी ने संपर्क नहीं किया। आप के राज्यसभा सांसदों को गद्दार कहने पर रंधावा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गद्दारों ने गद्दारों के साथ ही गद्दारी की है। क्योंकि आम आदमी पार्टी में भी बहुत से नेता ऐसे हैं जो पहले शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस में थे और आज वे आम आदमी पार्टी सरकार में मंत्री और अध्यक्ष के पद पर बैठे हैं। रंधावा ने कहा कि कांग्रेसियों को भाजपा में जाने की जरूरत नहीं है क्योंकि को कांग्रेस के आला नेता पहले भाजपा में जा चुके हैं उनकी आज क्या स्थिति है वह सभी जानते हैं। रंधावा ने प्रदेश के डीजीपी गौरव यादव को भी चुनौती देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पंजाब की कानून व्यवस्था बुरी तरह से चरमा चुकी है। नशा तस्करी, गैंगस्टरों के बाद अफ फिर से उग्रवाद मुखर होने लगा है।

राजनाथ सिंह ने इटली के समकक्ष गुइडो क्रोसेटो से की मुलाकात

# पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा, रक्षा औद्योगिक सहयोग पर बड़ा फैसला



नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और इटली के बीच सामरिक रिश्ते अब एक नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में अपने इतालवी समकक्ष गुइडो क्रोसेटो के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर भी अपने

विचार साझा किए। बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, दिल्ली में आज अपने इतालवी समकक्ष गुइडो क्रोसेटो के साथ व्यापक बातचीत करके बहुत खुशी हुई। हमने पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर चर्चा की। हमने आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम और इटली की रक्षा सहयोग पहल के तहत पारस्परिक रूप से लाभकारी रक्षा औद्योगिक

‘भारत लंबे युद्ध के लिए तैयार’

गुजरात को राजधानी नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर अपने शर्तों पर रोका और जरूरत पड़ी तो हम लंबे युद्ध के लिए भी पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा, हमने यह ऑपरेशन इसलिए नहीं रोका कि हमारी क्षमता कम हो गई, हमने उसे अपनी मर्जी से, अपनी शर्तों पर रोका और अगर जरूरत पड़ती हो हम लंबी लड़ाई के लिए भी तैयार थे। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि उस समय हमें परमाणु हमले की धमकी भी दी गई लेकिन हम उनकी धमकियों के झंसे में नहीं आए। भारत ने उन धमकियों को सिर से खारिज कर दिया और वही किया जो राष्ट्र हित में जरूरी था। यही है नई दुनिया का नया भारत। यह भारत दुनिया को यह बता रहा है कि आतंकवाद और उसे बढ़ावा देने वालों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा।

# ‘दुश्मन की छाती पर आग बरसाने को अग्नि-VI तैयार’

सरकार बस कर दे इशारा, बैलिस्टिक मिसाइल पर बड़ा अपदेट

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने कहा है कि अग्नि-VI बैलिस्टिक मिसाइल तैयार है। सरकार से हरी झंडी मिलते ही इसका परीक्षण किया जाएगा। अग्नि-VI बैलिस्टिक मिसाइल पर के सवाल पर डीआरडीओ के चेयरमैन समीर वी. कामत ने गुरुवार को बताया कि इस संबंध में सरकार को फैसला लेना है। जब भी सरकार हमें हरी झंडी देगी, हम तैयार हैं। डीआरडीओ के चेयरमैन डॉ. समीर वी. कामत ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए यह बात कही। उन्होंने यह भी बताया कि भारत का एलआर-एएसएचएम हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल प्रोग्राम एक एडवांस्ड स्ट्रेज पर पहुंच गया है, और इसके शुरूआती ट्रायल जल्द ही होने की उम्मीद है। उन्होंने अगली पीढ़ी की स्ट्राइक क्षमताओं में लगातार हो रही प्रगति की ओर भी इशारा किया। लॉन्ग-



रेंज एंटी-शिप मिसाइल (एलआर-एएसएचएम) को भारतीय नौसेना की तटीय बैटरी की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह एक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल है जो स्थिर और चलते-फिरते, दोनों तरह के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है और कई तरह के पेलेटो ले जा सकती है। यह मिसाइल स्वदेशी एंटीवॉनिस और उच्च-सटीकता वाले सेंसर पैकेज का इस्तेमाल करती है। यह अंतिम चरण में चलते-फिरते लक्ष्यों को भेदने के लिए स्वदेशी सेंसर से लैस है। अपनी कम ऊंचाई पर उड़ान, तेज गति

और पैंतरेबाजी की क्षमता के कारण, इस मिसाइल को अपनी उड़ान के ज्यादातर हिस्से में दुश्मन के जमीन और जहाज पर लगे रडार के लिए पकड़ पाना मुश्किल होता है। एलआर-एएसएचएम में दो-चरणी वाला सोलिड प्रोपल्शन रॉकेट मोटर लगा होता है। पहला चरण जलने के बाद अलग हो जाता है, जबकि दूसरा चरण मिसाइल को हाइपरसोनिक गति तक पहुंचाता है। इसके बाद यह एक बिना पावर वाले ग्लाइड चरण में प्रवेश करती है, और लक्ष्य पर हमला करने से पहले पैंतरेबाजी करती है। कामत ने कहा कि भारत हाइपरसोनिक ग्लाइड और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम, दोनों पर काम कर रहा है, जिसमें ग्लाइड वाला वर्जन अभी आगे है। उन्होंने कहा, हाइपरसोनिक के मामले में, हम दो प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं: हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल।

ड्रोन-मिसाइल के साथ पारंपरिक ताकत भी जरूरी : एयर मार्शल दीक्षित

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान इस्राइल के चलते साफ हो गया है कि ड्रोन-मिसाइलें आधुनिक लड़ाइयों में बेहद अहम हो गई हैं। हालांकि भारतीय वायुसेना के चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्ट्राफ आशुतोष दीक्षित का मानना है कि ड्रोन-मिसाइलों के साथ पारंपरिक ताकत भी जरूरी है। गुरुवार को एएनआई नेशनल सिक्योरिटी समिट 2.0 को संबोधित करते हुए एयर मार्शल दीक्षित ने कहा आधुनिक युद्ध में ड्रोन और मिसाइल भले सस्ते विकल्प लगें, लेकिन दीर्घकालिक रणनीति के लिहाज से पारंपरिक हथियार प्रणालियों के साथ संतुलित मिश्रण जरूरी है। संतुलित रणनीति ज्यादा कारगर : ड्रोन और मिसाइलों पर निर्भरता के सवाल पर एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने कहा कि केवल लागत नहीं, बल्कि प्रभाव और लचीलापन भी अहम हैं। उन्होंने कहा, अगर आप किसी एयरफिल्ड को निशाना बनाते हैं, तो उसे जल्दी ठीक किया

जा सकता है। ऐसे में बार-बार हमले की लागत और असर का संतुलन देखना होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि एक विमान 24 घंटे में कई शॉर्टीज कर सकता है और उससे दागे जाने वाले हथियार, मिसाइलों की तुलना में सस्ते पड़ते हैं, जिससे लंबे समय में विमान अधिक किफायती साबित होते हैं। स्वदेशी प्रणालियों का जिक्र करते हुए उन्होंने ब्रह्मोस मिसाइल मंहंगी है, ऐसे में अगर पिनाका जैसे मिसाइल सिस्टम को राफेल लड़ाकू विमान पर तैनात किया जाए, तो लागत-प्रभाव अनुपात बेहतर हो सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि युद्ध योजना में कमांडर के पास हर तरह के विकल्प होने चाहिए, जिनमें महंगे, सस्ते, सटीक और कम सटीक सभी प्रकार के हथियार शामिल हैं। युद्ध के दौरान मीडिया रिपोर्टिंग और उसका लोगों के मनोविज्ञान पर पड़ने वाले असर पर बात करते हुए उन्होंने कहा, जब ऑपरेशन सिंदूर हुआ, तब मीडिया में, दो विमान गिर गए, तीन गिर गए, जैसी खबरों की बाढ़ आ गई।

# यूपी चुनाव से पहले बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहा पाक

> खुफिया एजेंसियों को उलझाने के लिए रचा ‘खेल’

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय खुफिया एजेंसियों के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बड़े हमले की साजिश रच रही है और इसके लिए खतरनाक चाल चल रही है। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि इस हमले से पहले आईएसआई, हमारी जांच एजेंसियों का ध्यान भटकाना चाहती है और इसके लिए प्रोपेगेंडा अभियान चलाया जा रहा है। यूपी चुनाव के दौरान आतंकी हमले की फिफाय में आईएसआई एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव बड़ा आयोजन है और इसके महंजर बड़े आतंकी हमलों की साजिश रची जा रही है। इसके तहत आईएसआई समर्थित लोग देश में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाने और जासूसी जैसी गतिविधियों में शामिल हैं। इसका



उद्देश्य संवेदनशील स्थानों की जानकारी जुटाना है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने कहा कि आईएसआई के अनुसार, गतिविधियों में अचानक आई तेजी का मकसद भारतीय एजेंसियों को उलझाए रखना है, ताकि बड़े हमले को अंजाम दिया जा सके। अधिकारियों ने यह भी आशंका जताई है कि आईएसआई देश का सांप्रदायिक सोहार्द बिगाड़ने की भी साजिश रच रही है। कई इंटरसेप्ट्स से संकेत मिले हैं कि प्रोपेगेंडा चैनलों को

सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए सक्रिय किया गया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि आईएसआई की नजर सिर्फ बड़े शहरों पर नहीं, बल्कि छोटे शहरों और गांवों पर भी है, ताकि एजेंसियों को भ्रमित कर आचानक हमला किया जा सके। हाल ही में गाजियाबाद पुलिस ने एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था, जो रेलवे स्टेशनों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगा रहा था।



## बंद पड़े प्लांट से क्लोरीन गैस लीक, 24 लोग अस्पताल में भर्ती

पुणे, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में गुरुवार देर रात क्लोरीन गैस लीक होने से हड़कंप मच गया। इस घटना में 22 स्थानीय लोग और दो फायर ब्रिगेड कर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। फायर अधिकारियों के मुताबिक, यह रिसाव कोंढवा इलाके के गंगाधाम क्षेत्र में एक बंद पड़े जल शुद्धिकरण संयंत्र के गोदाम से हुआ। रात करीब 1 बजे वहां रखे क्लोरीन से भरे एक पुराने टैंक से गैस लीक होने लगी। गैस फैलने के बाद आसपास के लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी, जिसके बाद तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। आसपास के कई लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। फायर कर्मियों ने सुरक्षा उपकरणों की मदद से लीक हो रहे टैंक को बंद किया और स्थिति पर काबू पाया। इस दौरान कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई। कुल 22 स्थानीय निवासी और दो फायर कर्मियों को सांस लेने में परेशानी होने पर अस्पताल ले जाया गया।

## राष्ट्रपति से अकेले मिलेंगे सीएम मान विधायकों को नहीं मिली अनुमति

चंडीगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के सीएम भागवंत मान पांच मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। हालांकि उन्होंने सभी विधायकों के साथ मिलने का समय मांगा था लेकिन मुलाकात का समय केवल सीएम मान को मिला है। हालांकि सभी विधायक दिल्ली तक सीएम मान के साथ जाएंगे।

मान ने खुद इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया पर दी। मान ने एक्स पर लिखा- पंजाब के लोगों के जनாदेश और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राष्ट्रपति

**करोड़पति बनने की चाह में कातिल बनी पत्नी, 1.20 करोड़ के बीमे के लिए रची पति की मौत की साजिश**
चरखी दादरी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के चरखी दादरी जिले में एक पत्नी ने करोड़ों रुपये की संपत्ति और बीमा के 1.20 करोड़ रुपये के लिए अपने पति की ही हत्या करा दी। सदर थाना पुलिस ने सड़क हादसे के रूप में पेश किए गए इस मामले की गहन जांच करते हुए आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका प्रेमी और चार अन्य आरोपी पहले ही पुलिस गिरफ्त में हैं। डीएसपी मुख्यालय धीरज कुमार ने थाना प्रभारी सचिवर सिंह व जांच अधिकारी सुरेंद्र दांगी के साथ प्रेस वार्ता में पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि प्रारंभिक तौर पर यह मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा था, लेकिन तकनीकी जांच और परिवार की शिकायत के बाद सच्चाई सामने आई।

**'अनिश्चितकाल तक नहीं लटकेंगे तलाक के मुकदमे, एक साल में करना होगा निपटारा', हाई कोर्ट का बड़ा फैसला**

चंडीगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वैवाहिक विवादों को अंतहीन रूप से लंबित नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि तलाक जैसे मामलों में देरी केवल न्याय में विलंब नहीं बल्कि संबंधित पक्षों की मानवीय गरिमा पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। हाई कोर्ट ने तलाक संबंधी मुकदमों में हो रही देरी पर टिप्पणी करते हुए चंडीगढ़ के फैमिली कोर्ट को लंबित तलाक याचिका का निपटारा एक वर्ष के भीतर करने का निर्देश दिया है। जस्टिस वीरेंद्र अग्रवाल ने अपने महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि फैमिली कोर्ट्स एक्ट, 1984 का मूल उद्देश्य ही पारिवारिक विवादों के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए विशेष अदालतों की स्थापना करना था। यदि ऐसे मामले प्रारंभिक चरण में ही वर्षों तक अटके रहें तो विशेष फैमिली कोर्ट की स्थापना का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। अदालत ने कहा कि वैवाहिक मामलों को अनावश्यक रूप से लंबा खींचना कानून की मंशा और संवैधानिक मूल्यों दोनों के विपरीत है।

**गोल्फ कोर्स के तालाब में डूबने से 3 बच्चों की मौत**

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के द्वारका गोल्फ कोर्स में तीन बच्चों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस की शुरुआती जांच में चारदीवारी कुदकर प्रवेश करने व डूबकर मरने की बात सामने आई है। डीसीपी द्वारका के अनुसार, आज सुबह करीब 7:07 बजे पीएस सेक्टर-23 द्वारका को सेक्टर 24 गोल्फ कोर्स के एक तालाब में तीन बच्चों के डूबने की सूचना एक पीसीआर से मिली। सूचना मिलते ही एसएचओ अपने स्टाफ के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। इसके अलावा सभी एजेंसियों को भी तुरंत सूचित किया गया।

वहीं, घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि लगभग 8 से 10 साल के तीन बच्चे तालाब में डूबे हुए थे। फायर ब्रिगेड की मदद से तीनों बच्चों को पानी से निकाला गया। उनके कपड़े तालाब के बाहर मिले।

## 'जातीय सर्वे को टालना चाहती है सरकार'

**कांग्रेस क्यों लगा रही मोदी सरकार पर ये बड़ा आरोप**

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि सरकार द्वारा जातीय जनगणना की घोषणा किए एक साल पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक ये साफ नहीं है कि यह प्रक्रिया कैसे पूरी की जाएगी। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातीय सर्वे को टालना चाहते हैं। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि आज ही के दिन एक साल पहले मोदी सरकार ने आगामी जनगणना में जातीय गणना को भी शामिल करने की घोषणा की थी। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा पोस्ट में कहा, 'प्रधानमंत्री के नाटकीय यू-टर्न की समयरेखा ये है कि 21 जुलाई 2021 को लोकसभा में एक भाजपा सांसद के सवाल के जवाब में गृह मंत्री ने कहा था कि सरकार ने नीति के तौर पर जातिवार जनसंख्या की गणना नहीं करने का फैसला किया है। इसके बाद 21 सितंबर 2021 को मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में



हलफनामा दायर करके कहा कि जातिवार जनगणना के लिए अदालत का कोई भी निर्देश सरकार के नीति-निर्णय में हस्तक्षेप के समान होगा।' कांग्रेस नेता ने यह भी उल्लेख किया कि 16 अप्रैल 2023 को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना कराने की मांग की थी। हालांकि 28 अप्रैल 2024 को एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने कहा था कि जातीय जनगणना की मांग अर्बन नक्सल की सोच को दर्शाती है। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को

**अफीम की खेती करने वालों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, नष्ट की फसल**
सोपोर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सोपोर में पुलिस ने अवैध रूप से अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार करते हुए कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि एंडी पोड़ा गांव में कुछ लोग अफीम की खेती कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और अफीम की खेती को नष्ट किया गया। पुलिस ने अफीम की खेती करने वालों को सख्त लहजे में चेताया कि कि वे किसी भी सूरत में अफीम की खेती न करें। अपर निकट भविष्य में अफीम की खेती करते हुए पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## आई-पैक के डायरेक्टर विनेश चंदेल को मिली जमानत



नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पटियाला आई-पैक के डायरेक्टर विनेश चंदेल को पटियाला हाउस कोर्ट ने मनी लॉड्रिंग के मामले में जमानत दे दी है। खास बात यह रही कि ईंडी ने इस जमानत याचिका का विरोध नहीं किया। इस वजह से उन्हें आसानी से जमानत मिल गई। आईपीएसी के निदेशक और सह-संस्थापक विनेश चंदेल को कोर्ट ने कई शर्तों के साथ जमानत दी है,

जिनमें सबूतों या गवाहों के साथ छेड़छाड़ करना मना है और जांच में पूरा सहयोग करने

## कर्नाटक में फिलहाल चीफ मिनिस्टर नहीं बदलने जा रहा, कांग्रेस प्रमुख खरगे ने सुना दिया फैसला

बेंगलूरु, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बड़ा फैसला सुना दिया है। काफी वक्त से कर्नाटक में सीएम पदे को लेकर वाद विवाद चल रहा था, इसे लेकर खरगे ने कहा, कर्नाटक में फिलहाल मुख्यमंत्री नहीं बदलेंगे, जो हैं वही रहेंगे। बता दें कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके। शिवकुमार ने रविवार को कहा भी था कि वे और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, राज्य में नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस हाई कमान द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय का पालन करेंगे। दिल्ली से लौटने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें पार्टी नेतृत्व पर पूरा भरोसा है और पार्टी उचित समय पर उचित निर्णय लेगी। यह टिप्पणी पार्टी और

राजनीतिक हलकों में 4 मई के बाद संभावित नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच आई है, जब चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों के परिणाम, साथ ही कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के परिणाम घोषित किए जाएंगे।

शिवकुमार ने पिछले कुछ दिनों में दिल्ली दौर के दौरान कांग्रेस हाई कमांड के साथ हुई चर्चाओं के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा था, मैं मीडिया के सामने राजनीतिक मुद्दों पर बात नहीं करूंगा। मैं पहले ही कह चुका हूं कि जब समय आएगा तो आपको पता चल जाएगा। इसलिए मैं आपको नहीं बताऊंगा।

## 'उद्धव ठाकरे ने एक बार फिर पद का लालची न होना प्रमाण दिया है'

**अंबादास दानवे के प्रत्याशी बनने पर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी**
दिया है। जब विधायकों ने विश्वासघात किया, तो उन्होंने मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के बजाय उसे त्याग दिया और सरकारी आवास भी खाली कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि आज एक बार फिर महाविकास अघाड़ी की एकमात्र विधानसभा सीट के लिए सभी दलों के सर्वसम्मत समर्थन के बावजूद उन्होंने स्वयं चुनाव लड़ने के बजाय पार्टी की बुलंद आवाज अंबदास दानवे को उम्मीदवार बनाया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने आगे कहा कि सत्ता का अर्थ सिर्फ खुद को महत्व देना या नेता का दर्जा प्राप्त करना नहीं है, बल्कि इसका अर्थ है सही समय पर दूसरों को सत्ता सौंपने की बुद्धि रखना। उन्होंने कहा कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे पर खुद चुनाव लड़ने का काफ़ी दबाव था, लेकिन अंबादास दानवे को उम्मीदवार बनाने का अंतिम फैसला स्वयं उद्धव ठाकरे ने लिया। आदित्य ठाकरे ने पत्रकारों से कहा कि अंबादास दानवे महाविकास अघाड़ी के आधिकारिक उम्मीदवार होंगे। यह फैसला शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने लिया है।

इस टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेतृत्व से माफ़ी मांगनी चाहिए और साथ ही देश की जनता को यह भी बताना चाहिए कि 30 अप्रैल 2025 को जातीय जनगणना की घोषणा करते समय उनकी सोच कथित अर्बन नक्सल के विचार से कैसे प्रभावित हुई।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पोस्ट में लिखा, 'पूरा एक साल बीत चुका है, लेकिन अब तक ये साफ नहीं है कि जातीय गणना कैसे की जाएगी। विपक्षी दलों, राज्य सरकारों और इस विषय के विशेषज्ञों से कोई बातचीत नहीं की गई है।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने 5 मई 2025 को इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को फिर पत्र लिखा था, लेकिन उसका भी कोई जवाब नहीं दिया गया।

उन्होंने कहा कि उस पत्र में उठाए गए मुद्दे आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में समाप्त हुए संसद के विशेष सत्र के बाद यह और स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री जातीय जनगणना को टालने की मंशा रखते हैं।

## सीमावर्ती इलाकों में सोलर कैमरों से जासूसी का खुलासा

**सेना के ठिकानों पर नजर; एक गिरफ्तार**

फिरोजपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर यूनिट को एक बड़ी कामयाबी मिली है। एजेंसी से आईएसआई समर्थित जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए फिरोजपुर निवासी सुखचिंदर सिंह उर्फ सुख़ा को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में जो खुलासे सामने आए हैं, उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस के अनुसार आरोपित और उसके साथी राज्य के विभिन्न इलाकों में चीन निर्मित

## गृह मंत्री अमित शाह की पंजाब मिशन की तैयारी हर महीने करेंगे दौरा



चंडीगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पचास से अधिक रैलियां और रोड शो, करीब पंद्रह दिनों के प्रवास के बाद दिल्ली आते ही गृह मंत्री अमित शाह ने अब मिशन पंजाब की तैयारी शुरू कर दी है। वे अब अगले साल फरवरी में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव तक हर महीने राज्य का दौरा करेंगे।

सूत्रों के अनुसार पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही गृह मंत्री अमित शाह ने अब पंजाब पर पूरा ध्यान केंद्रित करने का

फैसला किया है। पंजाब में अगले साल फरवरी में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के साथ विधानसभा चुनाव होने हैं। बाकी चार राज्यों में बीजेपी की सरकारें हैं लेकिन पंजाब में बीजेपी अपनी जमीन मजबूत करने के रास्ते तलाश रही है। यही कारण है कि बीजेपी के चाणक्य शाह ने अब पंजाब पर फोकस करने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार अमित शाह का मिशन पंजाब मई महीने से शुरू हो जाएगा।

वे मई में राज्य का दौरा करेंगे। इस दौरान ड्रास के खिलाफ राज्य भर में बीजेपी की यात्राओं की शुरुआत भी की जाएगी। ड्रास को एक बड़ा मुद्दा बनाते हुए बीजेपी ने राज्य भर में इसके खिलाफ जनजागरुकता अभियान चलाने का फैसला किया है। एक बीजेपी नेता के अनुसार बीजेपी पंजाब के साथ पूरे देश में ड्रास के खिलाफ युद्ध छेड़ रही है और इसकी शुरुआत पंजाब से ही की जाएगी।

### भूकंप के झटकों से कांपी लेह की धरती, घरों से बाहर निकले लोग

लेह, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में एक बार फिर भूकंप के झटके लगे हैं। ये भूकंप लद्दाख के लेह में गुरुवार तड़के 3 बजकर 5.4 मिनट आया है। लेह में गुरुवार तड़के लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए और डर की वजह से घरों से बाहर निकल आए। लेह में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल 4.11 मापी गई है।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलॉजी के अनुसार, इस भूकंप की गहराई 150 किलोमीटर धरती के अंदर थी। राहत की बात यह रही कि इस भूकंप से अब तक कोई जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

### अस्पताल की दीवार गिरने से 7 की मौत

बेंगलुरु, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भारी बारिश के चलते बोरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल की दीवार ढहने से एक बच्चे सहित सात लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की। पुलिस ने बताया कि तेज बारिश, तूफानी हवाओं और ओलावृष्टि की वजह से इलाके में भारी तबाही मची, उसी दौरान एक दीवार के अचानक गिरने से उसके पास खड़े हुए लोग मलबे में दब गए, जिनमें से सात की मौत पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही फौरन पुलिस और आपातकालीन सेवा कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय निवासियों की मदद से मलबे से शवों को बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलने पर कर्नाटक के

## हज यात्रा का हवाई किराया बढ़ने पर ओवैसी ने जताई नाराजगी, कहा-यह उचित नहीं

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने हज यात्रा के हवाई किराए के बढ़ने पर नाराजगी जताई है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि हज कमेटी हज यात्रियों से 'हवाई किराए में अंतर' के नाम पर अतिरिक्त 10 हजार रुपए की मांग कर रही है। यह तब हो रहा है, जब कुछ महीने पहले ही मुंबई से रवाना होने वाले हर यात्री से 90,844 रुपए वसूले जा चुके हैं।

यह आम यात्रियों के लिए मौजूदा दरों से लगभग दोगुना है। उन्होंने लिखा कि क्या हज

यात्री हज कमेटी के जरिए जाने की सजा भुगत रहे हैं? यह सारासरी शोषण है और कुछ नहीं। ज्यादातर हज यात्री अमीर नहीं होते; वे हज पर जाने के लिए सालों तक पैसे बचाते हैं।

ओवैसी ने आगे लिखा कि उनके लिए यह कोई विलासिता नहीं है। इस संकुलर को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए, और हज यात्रियों से वसूले गए पैसे उन्हें वापस किए जाने चाहिए। उन्होंने लिखा कि सर किरेन रिजिजू इस संकुलर को वापस ले लीजिए; यह उचित नहीं है।

## भाषा विवाद के बीच इल्टिजा मुपत्ती के खिलाफ एफआईआर



जम्मू, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर में उर्दू भाषा के लिए चल रही लड़ाई में एक नया मोड़ आ गया है, जब जम्मू-कश्मीर पुलिस के साइबर सेल ने एक मृत अलगाववादी नेता के भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोप में इल்தिजा मुपत्ती और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इल்தिजा मुपत्ती के खिलाफ यह एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित अलगाववादी समर्थक सामग्री के संबंध में दर्ज की गई है, जिसका संबंध मारे गए अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी से है।

# आईसीएसई-आईएससी परीक्षाओं में लड़कियां फिर आगे

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (कक्षा 10) और इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट (कक्षा 12) की परीक्षाओं में इस वर्ष भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। भारतीय विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, आईसीएसई 2026 परीक्षा में 2,763 लड़कियों ने 99.93 प्रतिशत उत्तीर्णता दर प्राप्त की, जबकि 2,838 लड़कों की उत्तीर्णता दर 99.68 प्रतिशत रही। इसी प्रकार, आईएससी परीक्षा में 489 लड़कियों में से 99.39 प्रतिशत उत्तीर्ण हुईं, जबकि 441 लड़कों की उत्तीर्णता दर 98.87 प्रतिशत रही।

राज्य में 45 विद्यालयों के 5,601 विद्यार्थियों में से 99.80 प्रतिशत ने आईसीएसई परीक्षा उत्तीर्ण की। वहीं, आईएससी परीक्षा में 19 विद्यालयों के 930 विद्यार्थियों में से 99.14 प्रतिशत सफल रहे। आईसीएसई परीक्षा में

## तेलंगाना का शानदार परिणाम



के 3,712 अभ्यर्थियों का भी लगभग समान 99.80 प्रतिशत परिणाम रहा। आईएससी परीक्षा में 156 अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों ने 98.72 प्रतिशत तथा 738 सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों ने 99.19 प्रतिशत उत्तीर्णता प्राप्त की। कुटलूर स्थित जॉनसन ग्रामर स्कूल के विद्यार्थियों ने

अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अलुती अत्रिका (98 प्रतिशत) और अर्धम हर्षित साई (97.8 प्रतिशत) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

देश और विदेश के कुल 2,957 विद्यालयों के 2,58,721 विद्यार्थियों ने

आईसीएसई परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 99.18 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। वहीं, आईएससी परीक्षा में 1,553 विद्यालयों के 1,03,316 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 99.13 प्रतिशत सफल रहे। समग्र रूप से भी लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर रहा। आईसीएसई में लड़कियों की उत्तीर्णता दर 99.46 प्रतिशत तथा लड़कों की 98.93 प्रतिशत रही। आईएससी में लड़कियों की उत्तीर्णता 99.48 प्रतिशत और लड़कों की 98.81 प्रतिशत दर्ज की गई।

पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया 1 से 4 मई तक खुली रहेगी, जबकि सुधार परीक्षाएं जून और जुलाई में आयोजित की जाएंगी। परिषद के मुख्य कार्यकारी एवं सचिव डॉ. जॉसेफ इमैनुअल ने कहा कि परिषद निष्पक्ष, पारदर्शी और विद्यार्थी-केंद्रित मूल्यांकन प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

## आदिलाबाद में पारा 44.3 डिग्री तक पहुंचा

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण गर्मी के बीच बुधवार को आदिलाबाद में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक रहा। राज्य के अधिकांश हिस्सों में तापमान लगातार उच्च बना हुआ है। निजामाबाद में 44.2 डिग्री सेल्सियस, मेदक में 42.6 डिग्री, खम्मम में 42.4 डिग्री और महबूबनगर में 41.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। उत्तरी जिलों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है, जबकि हैदराबाद में भी पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है।

आईएमडी हैदराबाद ने छिटपुट गर्ज के साथ बारिश का पूर्वानुमान जताया है, हालांकि कई क्षेत्रों में तापमान अधिक रहने की संभावना है। हैदराबाद में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने के

कारण ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों में हयातनगर 41 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म क्षेत्र रहा। इसके बाद हकीमपेट (40.8), राजेंद्र नगर (40.5), बेगमपेट (40.4) और पाटनचेर (39.4) का स्थान रहा। आईएमडी के अनुसार, हैदराबाद, मेडचल-मल्काजगिरि, रंगारेड्डी और संगरेड्डी जिलों के कुछ हिस्सों में गुरुवार शाम या शुक्रवार तड़के गर्ज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि, विभाग ने चेतावनी दी है कि आगले तीन दिनों तक तापमान में कोई विशेष गिरावट नहीं होगी। 3 मई से लू की स्थिति और गंभीर होने की आशंका है, जिससे हैदराबाद और आसपास के जिलों में तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

## आंध्र प्रदेश एसएससी परीणाम घोषित

> उत्तीर्ण प्रतिशत बढ़कर 85.25 हुआ

अमरावती, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र (कक्षा 10) की सार्वजनिक परीक्षा के परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिए गए। इस वर्ष समग्र उत्तीर्ण प्रतिशत में सुधार दर्ज करते हुए यह 81.14 प्रतिशत से बढ़कर 85.25 प्रतिशत हो गया है। परिणामों में इस बार भी लड़कियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 87.90 रहा, जबकि लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 82.68 दर्ज किया गया। राज्य भर में 16 मार्च से 1 अप्रैल तक आयोजित परीक्षाओं में छह लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। परिणाम राज्य के मानव संसाधन विकास एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश द्वारा घोषित किए गए।

विद्यार्थी अपने परिणाम आधिकारिक पोर्टल पर देख सकते हैं। इसके अलावा परिणाम संदेश सेवा, मोबाइल अनुप्रयोग तथा डिजिटलॉक के माध्यम से भी उपलब्ध कराए गए हैं। मंत्री ने अपने संदेश में कहा कि राज्य में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में सुधार विशेष संतोष का विषय है। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी तथा असफल विद्यार्थियों को निराश न होकर पुनः प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। सरकारी विद्यालयों का प्रदर्शन भी बेहतर रहा और उनका उत्तीर्ण प्रतिशत 72.8 से बढ़कर 78.39 हो गया। जिलों में पार्वतीपुरम मन्थम 96.07 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि अल्लूरी सीतारामराजू जिला 57.12 प्रतिशत के साथ अंतिम स्थान पर रहा। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अनुसार, पूरक परीक्षाएं 25 मई से 4 जून तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा शुल्क 1 मई से 9 मई तक जमा किया जा सकेगा। पुर्णगणना और पुनः सत्यापन के लिए आवेदन 1 मई से शुरू होंगे।



## डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी को विदाई दी गई

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने गुरुवार को अपने पद से सेवानिवृत्ति ग्रहण की। इस अवसर पर राज्य पुलिस मुख्यालय में आयोजित विदाई समारोह अत्यंत भव्य और भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ।

लंबे समय तक पुलिस विभाग में विभिन्न पदों पर सेवाएं देकर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले बी. शिवधर रेड्डी की विदाई के दौरान सहकर्मियों अधिकारी और कर्मचारी भावुक नजर आए। कार्यक्रम की शुरुआत में शिवधर रेड्डी ने अपनी जिम्मेदारियों शांति एवं कानून-व्यवस्था के डीजीपी महेश एम. भगवत को सौंपीं। नए डीजीपी के रूप में सी.वी. आनंद के कार्यभार संभालने तक महेश



भगवत कार्यवाहक डीजीपी के रूप में जिम्मेदारी निभाएंगे। आधिकारिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद विदाई देने पहुंचे आईपीएस अधिकारियों और कर्मचारियों का अभिवादन करते हुए शिवधर रेड्डी आगे बढ़े। उन्होंने सभी से आत्मीयता के साथ मुलाकात की

और हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद फूलों से सजे वाहन पर खड़े होकर उन्होंने सभी का अभिवादन किया। पुलिस परंपरा के तहत आईपीएस अधिकारियों ने रस्सियों से वाहन को खींचते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक मुख्य द्वार तक विदा किया,

जबकि अन्य कर्मचारियों ने उन पर पुष्पवर्षा की। इस दौरान पूरा परिसर भावनाओं से सराबोर हो गया। समारोह में टीजीसीएसबी की निदेशक शिखा गोखले, जेल विभाग की डीजी सौम्या मिश्रा, कानून-व्यवस्था के डीजीपी महेश एम. भगवत, टीएसएलपीआरबी के चेयरमैन वी.वी. श्रीनिवास राव, एसपीएफ की डीजी स्वाति लकरा, इंटीलजेंस के अतिरिक्त डीजी विजय कुमार सहित कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने शिवधर रेड्डी को ससम्मान विदाई दी। अंत में मुख्य द्वार पर पहुंचकर शिवधर रेड्डी ने सभी का आभार व्यक्त किया और अपने वाहन से प्रस्थान किया।

## हज 2026 के लिए तीर्थयात्रियों से 10,000 रुपये अतिरिक्त जमा कराने के निर्देश

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने मध्य पूर्व में जारी संकट के मद्देनजर हज 2026 के लिए चयनित तीर्थयात्रियों से हवाई किराए में अंतर के रूप में 10,000 रुपये अतिरिक्त जमा कराने के निर्देश दिए हैं। यह राशि 15 मई 2026 तक जमा करनी होगी। 28 अप्रैल को जारी परिपत्र में हज कमेटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि विमानन टरबाइड ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण विमान कंपनियों द्वारा आधार किराए में 400 अमेरिकी डॉलर से अधिक की बढ़ोतरी की मांग के चलते यह निर्णय लिया गया है। निर्धारित राशि हज कमेटी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध आन्तलाइन भुगतान सुविधा या क्रेडिट/डेबिट कार्ड तथा नेट बैंकिंग के माध्यम से 'हज सुविधा' मोबाइल अनुप्रयोग के जरिए जमा की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, तीर्थयात्री भारतीय स्टेट बैंक या यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में हज कमेटी ऑफ इंडिया के खाते में जमा पर्वी के माध्यम से भी राशि जमा कर सकते हैं।

## बिल कलेक्टर 15 हजार रुपये रिश्तत लेते गिरफ्तार

संगारेड्डी, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने गुरुवार को सदाशिवपेट नगरपालिका में एक घर से 15,000 रुपये की रिश्तत लेते हुए एक बिल कलेक्टर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के उप पुलिस अधीक्षक सुदर्शन के अनुसार, आरोपी बिल कलेक्टर निखिल रेड्डी ने एक मकान मालिक से उसके मकान कर को 1.04 लाख रुपये से घटाकर 50,000 रुपये करने के अनुरोध को स्वीकार करने के लिए कुल 35,000 रुपये की रिश्तत मांगी थी। शिकायतकर्ता ने पहले चरण में 20,000 रुपये का भुगतान कर दिया था। शेष राशि देने में असमर्थ होने पर उसने एसीबी अधिकारियों से संपर्क किया। एसीबी ने जाल बिछाया और शिकायतकर्ता को गुरुवार को आरोपी के कक्ष में रिश्तत देने के लिए भेजा, जहां अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

## विट्टू नायक तांडा को मिला तेलंगाना का सर्वश्रेष्ठ पंचायत पुरस्कार

संगारेड्डी, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मोगुदम्पल्ली मंडल स्थित पूर्णतः आदिवासी गांव विट्टू नायक तांडा को पंचायत उत्तम सूचकांक में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर वर्ष 2023-24 के लिए तेलंगाना का सर्वश्रेष्ठ पंचायत पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार केंद्रीय पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा नौ प्रमुख संकेतकों पर गांव के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के बाद दिया गया।

तेलंगाना के 31 ग्रामीण जिलों में फैले 553 मंडलों के 12,566 गांवों में विट्टू नायक तांडा ने औसत प्रदर्शन के आधार पर सभी को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, संगारेड्डी मंडल का फसलवाड़ी गांव महिला-हिंतेषी संकेतक में राज्य में प्रथम रहा, जबकि अन्य आठ संकेतकों में राज्य के विभिन्न गांवों ने शीर्ष स्थान हासिल किया। ज़हीराबाद



विधानसभा क्षेत्र के एक दूरस्थ इलाके में स्थित यह गांव पंचायत राज दिवस पर पुरस्कार की घोषणा के बाद चर्चा में आ गया। पंचायत सचिव नंचारी संदीप ने बताया कि यह सम्मान ग्राम पंचायत के समग्र कार्यों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पंचायत की गतिविधियों से संबंधित जानकारी पोर्टल पर अपलोड की गई थी, जिसके

## > आईडीओसी निर्माण कार्यों में देरी

## जून तक पूरा करने की तैयारी में आर एंड बी विभाग

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर, वारंगल, आदिलाबाद, नारायणपेट और मुलुगु जिलों में एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) के निर्माण कार्यों में देरी के बाद सड़क एवं भवन (आर एंड बी) विभाग अब जून तक इन कार्यों को पूरा करने के लिए तेजी से प्रयास कर रहा है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार ने सभी जिलों में आईडीओसी स्थापित करने की परिकल्पना की थी, जिसके तहत विभिन्न विभागों के कार्यालय एक ही परिसर में संचालित किए जाने थे। इसका उद्देश्य आम लोगों को अधिकारियों से आसानी से मिलने की सुविधा प्रदान करना और प्रशासनिक कार्यों पर फाइलों

के निपटान में तेजी लाना था। इस योजना के तहत 30 जिलों में 1,581.62 करोड़ रुपये की लागत से आईडीओसी निर्माण का प्रस्ताव रखा गया था। पहला आईडीओसी जून 2021 में सिंघपेट में उद्घाटित किया गया था। हालांकि, अब तक 25 आईडीओसी का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि करीमनगर, वारंगल, आदिलाबाद, नारायणपेट और मुलुगु जिलों में निर्माण कार्य पिछले ढाई वर्षों से लंबित है। आर एंड बी विभाग ने वर्ष 2025-26 तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे हासिल नहीं किया जा सका। विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, करीमनगर, वारंगल, मुलुगु और नारायणपेट में आईडीओसी

## परियोजनाएं अंतिम चरण में हैं और हमारा लक्ष्य है कि इन्हें जून तक उद्घाटन के लिए तैयार कर दिया जाए। इसके अलावा, पूर्व बीआरएस सरकार द्वारा विधायकों के लिए आवास सह कार्यालय निर्माण की एक अन्य महत्वपूर्ण योजना भी शुरू की गई थी, जिसकी अनुमानित लागत 139 करोड़ रुपये है। अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित 119 इकाइयों में से 100 का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि चार इकाइयों पर कार्य जारी है। हालांकि, हैदराबाद के विधायकों के लिए ऐसी सुविधा अभी उपलब्ध नहीं है। उपयुक्त स्थलों के चयन में देरी के कारण 15 विधायकों के आवास सह कार्यालयों का निर्माण कार्य अब भी लंबित है।

## विट्टू नायक तांडा को मिला तेलंगाना का सर्वश्रेष्ठ पंचायत पुरस्कार

आधार पर मूल्यांकन किया गया। इन संकेतकों में गरीबी उन्मूलन और बेहतर आजीविका, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण, जल उपलब्धता, स्वच्छता एवं हरित वातावरण, आत्मनिर्भर आधारभूत संरचना, सामाजिक न्याय एवं सुरक्षा तथा सुशासन शामिल हैं। जानकारी के सत्यापन के लिए केंद्र सरकार की दो टीमों ने 17

और 21 मार्च को गांव का दौरा किया और ग्रामीणों व कर्मचारियों से बातचीत कर मूल्यांकन किया। ग्राम सरपंच जाधव चंद ने कहा कि वे नागरिकों और सरकार के सहयोग से गांव के विकास को और आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने राज्य सरकार से विभिन्न विकास कार्यों के लिए विशेष निधि उपलब्ध कराने की मांग भी की।

## तिरुमला में भट्टी विक्रमार्क ने किए दर्शन

> श्रीकालहस्ती में भी की विशेष पूजा



हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने गुरुवार सुबह अपने परिवार के साथ तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन किए। मंदिर पहुंचने पर टीटीडी अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर के समक्ष पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके आगमन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्साहित दिखे।

लोगों ने उनसे मुलाकात की, हाथ मिलाए और उनके साथ तस्वीरें लीं। मंदिर के कर्मचारियों ने भी उनका स्वागत करते हुए उनके साथ फोटोग्राफी की। तिरुमला दर्शन के पश्चात उप-मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क श्रीकालहस्तीश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान शिव के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उन्हें आशीर्वाद दिया और तीर्थ प्रसाद भेंट किया।





### बारातियों से भरी बस पलटी

### तीन की मौत, 26 घायल

राजगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मप्र. के राजगढ़-ब्यावरा के पास गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। मुरैना से उज्जैन जा रही बारातियों से भरी धमैद्र ट्रेवलस की बस काचरी गांव के पास नेशनल हाईवे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 26 बाराती घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और मासूम बच्चे भी शामिल हैं। हादसे के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई। ब्यावरा सिटी थाना प्रभारी वॉरेद्र धाकड़ ने बताया कि घटना सुबह करीब 6 बजे की है। मुरैना के तोंमर परिवार की बारात लेकर बस उज्जैन जा रही थी। बस में करीब 45 लोग सवार थे।

ब्यावरा शहर से पहले काचरी गांव के पास तेज रफ़ात बस अचानक अनियंत्रित हुई और सड़क किनारे पलट गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे। बस के शीशे तोड़कर लोगों को बाहर निकाला गया। कई यात्री सीटों के बीच फंसे हुए थे। ग्रामीणों ने तुरंत डायल 100 और एंबुलेंस को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई।

### डिजिटल अरेस्ट कर 1 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपये की ठगी

बिलासपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में साइबर ठगी का एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जहां ठगों ने एक 82 वर्षीय रिटायर्ड महिला प्रोफेसर को डिजिटल अरेस्ट कर 1 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपये की ठगी की। आरोपियों ने खुद को पुलिस और जांच एजेंसियों का अधिकारी बताकर महिला को टेरर फंडिंग के झूठे केस में फंसाने की धमकी दी और 7 दिनों तक लगातार वीडियो कॉल के जरिए डिजिटल अरेस्ट कर मानसिक दबाव बनाकर पैसे ट्रांसफर कराए।

पीडिता के बेटे की शिकायत पर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पीडिता प्रो। रमन श्यामस्तव डीपी कॉलेज से रिटायर हो चुकी हैं और सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रियल हेवन में अकेले रहती हैं। उनका बेटा प्रशंत श्यामस्तव मुंबई में एचआर कंसल्टंट्स में डायरेक्टर हैं। पीडिता के अनुसार 20 अप्रैल को महिला के व्हाट्सएप पर एक वीडियो कॉल आया, फोन करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और कहा कि वह प्रतिबंधित संगठन पीएफआई को टेरर फंडिंग कर रही है। इस आरोप से घबराई महिला को ठगों ने सुप्रीम कोर्ट और इंडी के फर्जी नोटिस भेजकर भरोसे में लिया।

## अमेरिकी सेना की ईरान के बंदरगाहों पर नाकेबंदी 42 जहाजों को रोका, ईरान ने इसे डकैती बताया



वाशिंगटन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना ने घोषणा की है कि उसने ईरानी बंदरगाहों में समुद्री वाणिज्य को रोकने के लिए लगाई गई नाकेबंदी के तहत 42 जहाजों को रोका है। यह कार्रवाई ईरान के तेल निर्यात से होने वाले संभावित राजस्व को बाधित करने के उद्देश्य से की गई है। ईरान ने इस कार्रवाई को खुले तौर पर समुद्री डकैती करार दिया है और अभूतपूर्व सैन्य कार्रवाई की धमकी दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांडर ब्रैड कूपर ने सोशल मीडिया एक्स पर बयान जारी किया है।

### अमेरिका की पीठ में पाकिस्तान ने घोंपा घुरा, होर्मुज नाकेबंदी का निकाला तोड़

इस्लामाबाद, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर रखा है। इस वजह से दुनियाभर में तेल और गैस की किल्लत हो रही है। इस बीच पाकिस्तान ने ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका दे दिया है। दरअसल अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर नाकेबंदी कर दी है। इस वजह से कोई भी जहाज इस इलाके में न जा सकता है और वहां से बाहर निकल सकता है। इस माहौल में पाकिस्तान सरकार ने ईरान के लिए 6 ऐसे रास्ते खोल दिए हैं जो जमीन से ईरान की ओर जाते हैं। अब पाकिस्तान इस रास्ते के जरिए ईरान से सामान लाएगा और पाक बंदगाहों पर फंसे ईरान के कंटेनर को भेजेगा। इस रास्ते को खोलने के लिए पाकिस्तान ने बकायदा एक वैधानिक नियामक आदेश जारी किया है। पाकिस्तान के इस कदम से अब ट्रंप पर सवाल उठने लगे हैं।

कहा जा रहा है कि एक ओर अमेरिका पाकिस्तान को ईरान के साथ बातचीत में तब्ज्जो दे रहा है लेकिन पाकिस्तान पीठ पीछे खेल रच रहा है।थिंक टैंक रैंड कॉर्पोरेशन से जुड़े और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञ जेफ जे जॉर्जेन को हथकट दिया है, जिससे ईरान को होर्मुज स्ट्रेट में आपके काउंटर-ब्लॉकिड को बायपास करने में मदद मिलेगी।

### नाबालिग के गर्भपात मामले में दोबारा सुप्रीम कोर्ट पहुंचा एम्स

## फैसले पर दोबारा विचार की अपील



नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के शीर्ष चिकित्सा संस्थान एम्स ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ क्यूरेटिव पिटिशन दाखिल की है। इसमें 15 वर्षीय रेप पीडिता को 30 हफ्ते की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को फैसला सुनाते हुए कहा था किसी भी महिला, विशेषकर

## अश्विनी वैष्णव से मिले पलामू सांसद वी डी राम वैगन फैक्ट्री और नई ट्रेनों का मिला आश्वासन

गढ़वा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू संसदीय क्षेत्र के विकास और रेल कनेक्टिविटी को लेकर सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली स्थित रेल भवन में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान सांसद ने गढ़वा और पलामू जिलों के लिए कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं, जिनमें गढ़वा रोड में वैगन फैक्ट्री की स्थापना और कई नई ट्रेनों का परिचालन प्रमुख है। सांसद वी डी राम ने क्षेत्र के औद्योगिक विकास और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए पलामू जिले में 'वैगन उत्पादन एवं रख-रखाव सुविधा' स्थापित करने का ठोस प्रस्ताव रखा। उन्होंने विशेष रूप से गढ़वा रोड या जपला का सुझाव दिया, जहां रेलवे के पास पर्याप्त जमीन है। सांसद की इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जिले में इस सुविधा की व्यवहार्यता अध्ययन (फिजिबिलिटी स्टडी) कराने का लिखित आश्वासन दिया है।

अगर यह परियोजना धरातल पर उतरती है, तो गढ़वा जिला एक बड़े औद्योगिक हब के रूप में उभरेगा। कनेक्टिविटी को लेकर

### नाबालिग, को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भावस्था के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था को मेडिकल तरीके से खत्म करने की अनुमति दे दी थी। अदालत ने कहा था कि इस मामले में गर्भ अनचाहा है। साथ ही, उसने पहले दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है, ऐसे में गर्भावस्था जारी रखना उसके हित में नहीं है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल गर्भावस्था के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था को मेडिकल तरीके से खत्म करने की अनुमति दे दी थी। अदालत ने कहा था कि इस मामले में गर्भ अनचाहा है। साथ ही, उसने पहले दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है, ऐसे में गर्भावस्था जारी रखना उसके हित में नहीं है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल गर्भावस्था के जारी रखने से नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक स्थिति और समग्र विकास पर गहरा असर पड़ सकता है। पीठ ने कहा था कि महिला की प्रजनन संबंधी स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। यदि किसी महिला को अनचाहे गर्भ को जारी

## लारेंस के अपराध का 'कॉरपोरेट' स्टाइल: 'डबल शूटर' प्लान से अपने ही गुर्गों पर नजर रखता था हैरी बाक्सर,



सांसद ने दक्षिण, पश्चिम और धार्मिक स्थलों के लिए नई ट्रेनों की मांग की है, जिससे गढ़वा जिले के यात्रियों को सीधा फायदा होगा।

स्थानीय समस्याओं को महत्व देते हुए सांसद ने हैदरनगर ब्लॉक के सरगड़ा टोला गांव (नावाडीह रेलवे फाटक नंबर-48) के पास पिलर नंबर 360/20 के समीप एलसी/आरयूवी निर्माण की मांग रखी। रेल मंत्री ने इसे निर्माण सूची में शामिल करने का भरोसा दिलाया है। मुलाकात के बाद सांसद वी डी राम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में क्षेत्र के विकास को नई गति मिल रही है। वैगन फैक्ट्री से हमारे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और नई ट्रेनों से व्यापार और आवागमन आसान होगा।

### बर्थ-डे से एक दिन पहले युवती ने किया सुसाइड

इंदौर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। छोटी ग्वालटोली इलाके में 16 वर्षीय छात्रा ने अपने जन्मदिन से एक दिन पहले फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य शादी में गए थे। शाम को वे केक और गिफ्ट लेकर लोटे तो बेटी को फंदे पर लटका पाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक वंशिका (16) पिता मिश्रीलाल बरोले कक्षा 11वीं की छात्रा थी। छात्रा ने पिता से जन्म दिन पर कपड़े खरीदने के लिए 5 हजार रुपए मांगे थे, पिता ने 3 हजार रुपए देते हुए कहा कि अभी उनके पास इतने ही पैसे हैं।

इसी बात को लेकर वह नाराज हो गई थी। वंशिका के पिता ऑटो मैकेनिक हैं और आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। परिवार में एक शादी थी, जिसमें उसकी मां, बहनें और अन्य सदस्य शामिल होने गए थे, लेकिन वंशिका ने जाने से इनकार कर दिया और घर पर ही रुक गईं। जब रात में परिवार वापस लौटा तो वंशिका घर में फंदे पर लटकी मिली।

### रखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो यह उसके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। अदालत ने कहा था, 'अपने शरीर से जुड़े फैसले लेने का अधिकार, खासकर प्रजनन से संबंधित मामले, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का अभिन्न हिस्सा है।

इस अधिकार को गलत प्रतिबंध लगाकर कमजोर नहीं किया जा सकता, खासकर नाबालिगों और अनचाहे गर्भ के मामलों में। सर्वोच्च अदालत ने कहा था कि कोई भी अदालत किसी भी महिला को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भवस्था के लिए मजबूर नहीं कर सकती और खासकर नाबालिग को तो बिल्कुल नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि किसी भी महिला, खासकर नाबालिग, को उसकी इच्छा के खिलाफ गर्भवस्था के लिए बाध्य करना न सिर्फ उसकी आजादी की अनदेखी होगी, बल्कि इससे उसे गंभीर मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक आघात भी पहुंच सकता है।

## लारेंस के अपराध का 'कॉरपोरेट' स्टाइल: 'डबल शूटर' प्लान से अपने ही गुर्गों पर नजर रखता था हैरी बाक्सर,

इंदौर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। लारेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों हैरी बाक्सर की कार्यप्रणाली को लेकर सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। पुलिस पृष्ठताछ में सामने आया है कि वह अपने ही शूटरों पर भरोसा नहीं करता था और उनकी निगरानी के लिए अलग से बदमाश तैनात करता था। क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में आए राजपाल चंद्रावत ने पृष्ठताछ में बताया कि गैंग की कार्यप्रणाली बेहद संगठित और खौफनाक थी। किसी भी वादादात से पहले रेकी के लिए भेजे गए बदमाशों के पीछे भी अलग से शूटर लगाए जाते थे, ताकि कोई गलती या धोखा न हो। इसी डर के कारण कई बदमाशों ने पुलिस के सामने सरेंडर तक कर दिया।

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि गैंग ने शहर के एक बड़े बिल्डर से करीब 5 करोड़ रुपये की रंगदारी वसूली। यह रकम सीधे न लेकर क्रिप्टोकर्सों के जरिए दुबई भेजी गई और वहां से हैरी बाक्सर तक पहुंचाई गई। खोफ के चलते बिल्डर ने अब तक पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

## 13 साल की मासूम से दरिंदगी करने वाले को मौत की सजा: 50 साल बाद मिला न्याय

फ्लोरिडा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के फ्लोरिडा में लगभग पांच दशक पुराने जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिए गए जेम्स अनैस्ट हिचकॉक को आज मौत की सजा दी जाएगी। 70 वर्षीय हिचकॉक को 13 वर्षीय सैतेली भतीजी के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया था। कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, 31 जुलाई 1976 को हिचकॉक अपने भाई के घर में रह रहा था। घटना वाले दिन वह दोस्तों के साथ कई घंटों तक शराब पीने और मारिजुआना का सेवन करने के बाद घर लौटा।

इसके बाद उसने 13 वर्षीय मासूम के कमरे में जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब लड़की ने कहा कि वह घायल है और अपनी मां को सब कुछ बताएगी, तो हिचकॉक ने उसे कमरे से बाहर जाने से रोकने की कोशिश की और फिर उसका गला दबाना शुरू कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, वह लड़की

## सिडनी में 15 मौतों के बाद ऑस्ट्रेलिया सतर्क, सख्त गन कानून की सिफारिश

मेलबोर्न, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में यहूदी समुदाय पर हुए भयावह हमले के बाद देश की सुरक्षा व्यवस्था और हथियार कानूनों को लेकर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। सरकार द्वारा गठित जांच आयोग ने अपनी शुरुआती रिपोर्ट में देश में सख्त गन कानून सुधार लागू करने की सिफारिश की है। यह रिपोर्ट उस दर्दनाक घटना के बाद आई है, जिसमें सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का समारोह के दौरान 15 लोगों की जान चली गई थी। रॉयल कमीशन ऑन एंटीसेमिटिज्म एंड सोशल कोहेशन की अध्यक्ष वर्जीनिया बेल ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट में 14 सिफारिशें दी हैं।

इनमें से पांच को राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक नहीं किया गया है। रिपोर्ट में सबसे अधिक सिफारिश यह है कि देश में एक समान राष्ट्रीय गन कानून लागू किया जाए और हथियारों की खरीद-बिक्री पर सख्त नियंत्रण हो।

## महिला सांसद ने ट्रंप की दिमागी हालत पर उठाए सवाल



वाशिंगटन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की महिला डेमोक्रेटिक सांसद ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दिमागी हालत पर सवाल उठाए हैं। उनकी मानसिक स्थिति को चिंता जाहिर की। हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी बैठक में सैन डिएगो की डेमोक्रेट सारा जैकब्स ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से सवाल करते हुए कहा कि क्या डोनाल्ड ट्रंप कमांडर इन चीफ बनने के लिए मानसिक रूप से स्थिर हैं? हेगसेथ ने इस सवाल पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने इसे राष्ट्रपति का अपमान बताया। हेगसेथ ने पलटवार करते हुए जैकब्स से पूछा क्या आपने यही सवाल जो बाइडेन से चार साल तक पूछा था?

इस पर जैकब्स ने कहा कि जो बाइडेन

### गुरु ग्रंथ साहिब कानून पर बड़ा विवाद, वर्च पहुंची हाई कोर्ट

चंडीगढ़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब सरकार के बहुचर्चित “जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब स्क्वार् (संशोधन) अधिनियम, 2026” के खिलाफ अब पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में एक और संवैधानिक चुनौती पहुंच गई है। एंग्लिकन चर्च ऑफ इंडिया (सीआईपीबीसी) ने इस संशोधन कानून को धर्म-विशेष आधारित, भेदभावपूर्ण और संविधान विरोधी बताते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर कर इसके क्रियान्वयन पर तत्काल रोक लगाने तथा इसे रद्द घोषित करने की मांग की है।

याचिका में कहा गया है कि पंजाब सरकार ने एक विशेष धार्मिक ग्रंथ को पृथक् और अधिक कठोर दंडात्मक संरक्षण देकर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 25 और 26 का उल्लंघन किया है। चर्च का तर्क है कि राज्य किसी एक धर्म या उसके पवित्र प्रतीकों को ऐसा विशिष्ट विधायी संरक्षण नहीं दे सकता, जिससे अन्य धार्मिक समुदायों के बीच असमानता की भावना उत्पन्न हो। याचिका में इसे संविधान की मूल संरचना में शामिल धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कदम बताया गया है।

## महिला सांसद ने ट्रंप की दिमागी हालत पर उठाए सवाल

राष्ट्रपति नहीं हैं। ट्रंप पिछले डेढ़ साल से राष्ट्रपति हैं। इस दौरान जैकब्स ने राष्ट्रपति ट्रंप के कई पुराने टवीट को मिला किया। खासतौर पर उस आईजनरेटड जीम का जिसमें उन्होंने खुद को ईसा मसीह के रूप में दिखा रहे थे। हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी की बैठक में जैकब्स और हेगसेथ के बीच जवरदस्त बहस हुई। हेगसेथ ने ट्रंप का बचाव करते हुए उन्हें सबसे तेज और दूरदर्शी कमांडर इन चीफ बताया। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने जैकब्स से कहा कि आप कमांडर-इन-चीफ के बारे में जिस तरह की अपमानजनक टिप्पणी कर रही हैं, मैं उस पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दूंगा।

वो हमारे सबसे अच्छे कमांडर इन चीफ हैं। दरअसल, यह बहस ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जैसी स्थितियां बनी हुई हैं और ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर विपक्ष लगातार हमलावर है। इससे पहले पिछले महीने पूर्व रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रोन ने भी ईरान युद्ध को लेकर ट्रंप की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाए थे। ईरान और अमेरिका के बीच जंग की शुरुआत 28 फरवरी को हुई थी।

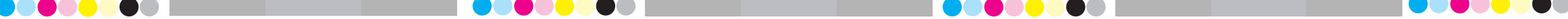
### फूड सेफ्टी विभाग ने दो दुकानों पर लगाया जुर्माना

सरायकेला, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के सरायकेला खरसावां जिले के उपायुक्त नीतिश कुमार सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सुधीर रंजन द्वारा सरायकेला बाजार क्षेत्र में खुदरा और थोक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक्सपायर्ड और बिना लेबल वाले खाने की चीजों की सघन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान एक दुकान में एक्सपायर्ड नारियल पानी पाए जाने पर उसे मौके पर ही नष्ट करते हुए संबंधित दुकानदार पर 2000 का जुर्माना लगाया गया। वहीं, एक अन्य थोक विक्रेता के गोदाम में गंदगी एवं बिना लेबल के खाद्य सामग्री पाए जाने पर 2000 का जुर्माना लगाया गया। जांच अभियान के क्रम में संजय चौक और आसपास के क्षेत्र में गोलगप्पा बेचने वाली की भी जांच की गई। सभी विक्रेताओं को सफा पानी और ताजा खाद्य सामग्री के इस्तेमाल और व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए,

### महापौर निधि का कानून में प्रावधान नहीं: ग्वालियर हाईकोर्ट में सरकार का जवाब 6 मई को अगली सुनवाई



ग्वालियर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्वालियर में महापौर निधि पर रोक को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में अपना जवाब पेश करते हुए इस रोक को पूरी तरह वैध बताया है। मामले की अगली सुनवाई 6 मई को होगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 2 मार्च को जारी आदेश में केवल महापौर निधि पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए ग्वालियर की महापौर डॉ। शोभा सिकरवार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। राज्य सरकार ने अपने जवाब में कहा है कि नगर निगम अधिनियम में महापौर निधि का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है, इसलिए इस पर रोक लगाना पूरी तरह कानूनी है। महापौर की ओर से दायर याचिका में इस आदेश को भेदभावपूर्ण और नियमों के विरुद्ध बताया गया है। तो केवल महापौर निधि पर ही रोक क्यों लगाई गई। महापौर ने 2 मार्च के आदेश पर मजबूत संबंधों को महत्व देती है और इस घटना से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची हो तो उसे लेकर खेद जताती है।



# स्वतंत्र वार्ता

**शुक्रवार, 1 मई - 2026**

## लोकतंत्र के लिए नई उम्मीद

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण भारतीय लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत बनकर सामने आया है। लंबे समय से चुनावी हिंसा की छवि से जुड़ा रहे बंगाल में अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण मतदान ने भरोसा जगाया है कि मजबूत प्रशासनिक तैयारी, मतदाता सूची सुधार और सुरक्षा व्यवस्था के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जा सकता है। यह बदलाव केवल पश्चिम बंगाल के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के चुनावी तंत्र के लिए एक प्रेरक उदाहरण है। लोकतंत्र की सफलता मतदान की निष्पक्षता और शांति से मापी जाती है। इस बार पश्चिम बंगाल में जिस प्रकार से मतदान प्रक्रिया अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रही, वह दर्शाता है कि चुनाव आयोग और सुरक्षा एजेंसियों की तैयारी प्रभावी रही। खास तौर पर मतदाता सूची के पुनरीक्षण और सुधार की प्रक्रिया ने मतदाताओं के बीच विश्वास को बढ़ाया है। जब नागरिकों को यह भरोसा होता है कि उनका नाम सही तरीके से सूची में दर्ज है और उनका वोट सुरक्षित रहेगा, तब वे अधिक उत्साह के साथ मतदान प्रक्रिया में रुचि लेते हैं। कुछ स्थानों पर झड़पों की खबरें आईं, लेकिन उनका दायरा सीमित रहा। यह स्थिति यह भी दर्शाती है कि विधानसभा चुनावों से अलग रही, जब व्यापक स्तर पर हिंसा की घटनाएं देखने को मिली थीं। उस समय कई लोग घायल हुए थे और चुनावी माहौल तनावपूर्ण था। इस बार अपेक्षाकृत शांत वातावरण ने यह संकेत दिया है कि यदि प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो चुनावी हिंसा पर काफ़ी हद तक काबू पाया जा सकता है। चुनाव प्रक्रिया में सुधार का एक महत्वपूर्ण पहलू मतदाता सूची का नियमित और पारदर्शी पुनरीक्षण है। यदि मतदाता सूची सटीक और सही रहती है, तो न केवल मतदान प्रतिशत बढ़ता है, बल्कि चुनावी विवादों की संभावना भी कम हो जाती है। यही कारण है कि इस प्रक्रिया को हर चुनाव से पहले गंभीरता से लागू किया गया। इससे लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूती मिली है। पश्चिम बंगाल लंबे समय से राजनीतिक हिंसा की घटनाओं के कारण चर्चा में रहा है। ऐसे में इस बार का अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण मतदान राज्य की लोकतांत्रिक परिपक्वता की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। यह आवश्यक है कि राज्य की सभी राजनीतिक पार्टियाँ और उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करें और चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण बनाए रखने में सहयोग दें। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की इच्छा का सम्मान करने का अवसर भी होता है। इसके साथ ही सुरक्षा बलों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उनकी सक्रिय मौजूदगी ने मतदाताओं में विश्वास पैदा किया और उन्हें बिना किसी भय के मतदान केंद्र तक पहुंचने का अवसर दिया। भविष्य में भी चुनाव आयोग और सुरक्षा एजेंसियों को इसी प्रकार की सतर्कता बनाए रखनी होगी, ताकि लोकतंत्र की यह सकारात्मक दिशा कायम रह सके। अंततः यह कहा जा सकता है कि पश्चिम बंगाल में शांतिपूर्ण मतदान केवल एक प्रशासनिक सफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति के सुदृढ़ होने का संकेत है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इस सकारात्मक माहौल को आगे भी बनाए रखा जाए और राजनीतिक दल मिलकर यह सुनिश्चित करें कि चुनाव हिंसा नहीं, बल्कि जनभागीदारी और विश्वास का उत्सव बने। यही एक स्वस्थ और सशक्त लोकतंत्र की पहचान है।

## थाली का रेगिस्तान: एक विलाप

हवा में घुटन थी, जैसे किसी पुरानी हवेली के तहखाने में सदियों से बंद सनटाटा। अलख निरंजन जी अपनी मेज पर वैसे ही विराजमान थे, जैसे कोई झूर तानाशाह अंतिम डिक्री जारी करने वाला हो। उनके सामने बैठी सुधा के हाथ कांप रहे थे, मानो वह रसोई से कोई पकवान नहीं, बल्कि अपनी किस्मत का फेंसला लेकर आई हो। अलख जी की नजरें पहली थाली पर गिरी। उन्होंने नाक सिकोड़ी, जैसे किसी ने उनके सामने कोई सड़ा हुआ तर्क रखा दिया हो। भिंडी? यह लेडी फिंगर नहीं, किसी बुढ़ी सभ्यता की सड़ी हुई उंगल नहीं है, दांतों में फंसकर मेरी हालत खराब कर देंगी। सुधा ने चुपचाप थाली बदली। दूसरी आई तो उन्होंने उसे अपराधी की तरह घूरा। बैंगन? यह तो बे-गुन है, शरीर में वायु का ऐसा तंडव मचाएगा कि घर भूकंप की चपेट में आ जाएगा। उनके चेहरे पर छाई वह कुटिल गंभीरता किसी कसाई की मुस्कान जैसी थी, जो छुरी चलाने से पहले मंत्र पढ़ता है।

सिलसिला थमा नहीं, वह तो एक लंबी शवयात्रा की तरह आगे बढ़ता गया। गोभी को उन्होंने फूलों का कब्रिस्तान कहकर ठुकरा फूला और मटर को हरे रंग की गोлияयां बताया जो पेट में धमाका कर सकती हैं। लौकी को देखकर वे ऐसे बिदके जैसे सामने नागिन फन फैलाए खड़ी हो— यह तो पानी का छल है, इसमें आत्मा कहाँ है? करले पर तो उन्होंने अपनी पूरी दार्शनिक क्षमता झोंक दी, बोले, इतनी कड़वाहट तो समाज में भी नहीं, जितनी इस अधम फल में है। आलू को उन्होंने अहंकार का प्रतीक माना और पनीर को धोखेबाज रईस। कटहल उन्हें मांस का स्वांग लगा, तो टमाटर रक्त के धब्बों जैसा। अरबी को उन्होंने फिसलन की राजनीति का नाम दिया और मूली को सामाजिक मर्यादा का दुश्मन। सुधा की आँखों से आंसू नहीं, मानो पिघला हुआ धैर्य बह रहा था। वह बीसवीं बार रसोई की

ओर गई, एक ऐसी सब्जी लेकर जिसे ठुकराने का मतलब था अस्तित्व का अंत। सुधा ने अगली सब्जी सामने रखी—तोरंड। अलख जी ने उसे छुआ और पीछे हट गए जैसे करंट लग गया हो। यह? यह तो किसी

बीमार की अंतिम वसीयत जैसी पीली और मरी हुई है। इसे खाकर तो यमराज भी रास्ता भूल जाए। पत्नी की सहनशीलता अब अपने चरम पर थी। कमरे का तापमान गिर रहा था। अलख जी ने मेज की धक्का दिया और चीख पड़े, सुधा, इस घर में इतनी सारी सब्जी है, पर एक भी ऐसी नहीं जो मेरी अंतरात्मा को तृप्त कर सके। क्या तुम चाहती हो कि मैं भूखा मर जाऊँ? दुखी होते हुए बोले। सुधा स्थिर खड़ी थी। उसने अपनी साड़ी का पल्लू कमर में खोसा और अलख जी के बहुत करीब जाकर खड़ी हो गई। उसकी आँखों में इतना गुस्सा था कि शब्दों में बयान करना मुश्किल है। अलख जी डरकर कुर्सी से चिपक गए।

अचानक सुधा ने अलख जी के सामने एक खाली प्लेट रखी। बिल्कुल कोरी, चांदी जैसी चमकती हुई। अलख जी ने हकलाते हुए पूछा इसमें... इसमें क्या है? सुधा ने एक अदृश्य निवाला तोड़ा और अलख जी के मुँह के पास ले गई। खाओ, उसने आदेश दिया। अलख जी ने मुँह खोला, कुछ महसूस नहीं हुआ। स्वाद कैसा है? सुधा ने पूछा। अलख जी की आँखें फटी की फटी रह गईं, अरे! यह तो अद्भुत है! ऐसा स्वाद तो स्वर्ग में भी नहीं होगा! क्या है यह? सुधा धीरे से मुस्कुराई। उसने कहा, यह आपका अपना 'अहंकार' है। पिछले चालीस मिनट से आप वही तो उगल रहे थे। मैंने बस उसे ही तो टमाटर रक्त के धब्बों जैसा। अरबी को उन्होंने फिसलन की राजनीति का नाम दिया और मूली को सामाजिक मर्यादा का दुश्मन। सुधा की आँखों से आंसू नहीं, मानो पिघला हुआ धैर्य बह रहा था। वह बीसवीं बार रसोई की

# अनुमान का अहंकार, जन्मादेश का अपमान



डॉ.घनश्याम बादल

रोशनी तेज हो गई है, ग्राफ़िक्स चमकने लगे हैं, और तथाकथित "एजिंट पोल" देश के सामने भविष्यवाणी का परोसा हुआ थाल लेकर हाज़िर हो हैं।

दावा यह कि जनता ने क्या फैसला किया है, वे बता देंगे, वह भी आधिकारिक मतगणना से पहले। लेकिन हर चुनाव के बाद वही पुराना सवाल सिर उठाता है कि ये एजिंट पोल वास्तव में सार्थक हैं, या फिर यह महज एक व्यवस्थित भ्रम है, जो लोकतंत्र के धैर्य और गंभीरता के साथ खिलवाड़ करता है?

एजिंट पोल की मूल अवधारणा सरल है- मतदान केंद्र से बाहर निकलते हुए मतदाताओं से पूछना कि उन्होंने किसें वोट दिया। इस "सैंपल" के आधार पर पूरे राज्य या देश का अनुमान तैयार किया जाता है। सुनने में यह वैज्ञानिक लगता है, पर ज़मीन पर इसकी विश्वसनीयता अक्सर संदिग्ध साबित होती है। हालिया पांच राज्यों के चुनावों में भी अलग-अलग एजेंसियों के एजिंट पोल एक-दूसरे से इतने भिन्न हैं कि आम दर्शक के लिए यह तय करना मुश्किल है कि किसे सच माना

जाए और किसे कल्पना।

सवाल उठता है कि जब एक ही चुनाव के लिए अलग-अलग एजिंट पोलअलग तस्वीर पेश करते हैं, तो इनकी उपयोगिता क्या है? और उनकी ज़रूरत भी क्या है? बहुमत देती है और दूसरी उसे सत्ता से बाहर दिखाती है, तो यह केवल "डेटा का अंतर" नहीं, बल्कि पद्धति की खामी, नमूने की सीमाएं और कभी-कभी पूर्वाग्रहों का संकेत है। सच तो यह है कि एजिंट पोल का विज्ञान अक्सर अपने ही दावों के बोझ तले दब जाता है।

एजिंट पोल की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सैंपल है। भारत जैसा विविधताओं से भरा देश, जहां भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्रीयता और स्थानीय मुद्दे मतदान के व्यवहार को प्रभावित करते हैं, वहां कुछ हजार लोगों से पूछकर करोड़ों मतदाताओं का रूझान तय कर देना बौद्धिक अतिसरलीकरण है। ऊपर से, हर मतदाता सच बोल ही दे, यह मान लेना भी एक तरह की भोली उम्मीद है। कई लोग झिझकते हैं, कुछ जानबूझकर गलत बताते हैं, और कुछ तो बातचीत से ही बचते हैं। ऐसे में जो डेटा मिलता है, वह आधा-अधूरा और कई बार भ्रामक होता है।

अब आती है "नैरेटिव" की राजनीति। एजिंट पोल केवल ओपेकइ नहीं होते, वे माहौल बनाते हैं। अगर किसी दल को भारी बहुमत दिखा दिया जाए, तो वह जीत की छवि गढ़ता है; अगर किसी को हारता

हुआ बताया जाए, तो उसके समर्थकों में निराशा फैलती है। यह मनोवैज्ञानिक खेल है, जिसका असर बाजार से लेकर राजनीतिक रणनीति तक पर पड़ता है। शेयर बाजार की हलचल, गठबंधन की बातचीत, यहां तक कि कार्यकर्ताओं का मनोबल,सब कुछ इन अनुमानों से प्रभावित होता है। यानी, एजिंट पोल केवल "सूचना" नहीं देते, वे एक खास किस्म का और खास वर्ग या दल के लिए कूट रचित "प्रभाव" भी पैदा करते हैं।

यहीं पर एजिंट पोल की नैतिकता पर सवाल खड़े होते हैं। क्या लोकतंत्र में जनादेश आने से पहले ही उसकी दिशा तय करने का यह प्रयास उचित है? क्या यह मतदाताओं के फैसले के प्रति अधीरता नहीं है? चुनाव एक गंभीर प्रक्रिया है, जिसमें जनता अपनी संभ्रमता का प्रयोग करती है। उस फैसले को आधिकारिक रूप से सामने आने देने के बजाय, अगर हम अनुमान के आधार पर ही निष्कर्ष गढ़ने लगें, तो यह प्रक्रिया की गरिमा को कम करता है।

अब सवाल यह भी है कि एजिंट पोल होते क्यों हैं? मीडिया के लिए यह टीआरपी का बड़ा साधन है। चुनाव जैसे बड़े इवेंट के बाद दर्शकों की उत्सुकता चरम पर होती है, और एजिंट पोल उस उत्सुकता को तुरंत संतुष्ट करने का दावा करते हैं। राजनीतिक दलों के लिए भी यह एक तरह का "टेस्ट रन" होता है—वे अपने कार्यकर्ताओं को संदेश देने, संभावित रणनीतियों पर विचार करने और

सार्वजनिक धारणा को प्रभावित करने के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं। यानी, एजिंट पोल एक उद्योग बन चुके हैं,जहां आंकड़े भी बिकते हैं और उम्मीदें भी।

लेकिन क्या इस उद्योग की कोई जवाबदेही है? जब एजिंट पोल गलत साबित होते हैं,और ऐसा बार-बार होता है, तो क्या कोई ठोस आत्ममंथन होता है? क्या उनकी कोई जिम्मेदारी तय की जाती है ? शायद ही कभी बल्कि कहिए कभी नहीं। अगले चुनाव में वही यह कुछ और नई एजेंसियां फिर नए दावे लेकर आ जाती हैं, यह बताता है कि एजिंट पोल की विफलता भी उनके अस्तित्व के लिए बाधा नहीं है, क्योंकि उनका असली उद्देश्य सटीकता नहीं, बल्कि खास उद्देश्य वाली उपस्थिति है।

यह कहना भी पूरी तरह सही नहीं होगा कि एजिंट पोल का कोई मूल्य ही नहीं है। अगर इन्हें बहुत सावधानी, पारदर्शिता और सीमाओं के स्पष्ट उल्लेख के साथ पेश किया जाए, तो ये एक संकेत दे सकते हैं, मगर परिणाम तो कदाचित नहीं। समस्या तब पैदा होती है जब इन्हें अंतिम सत्य की तरह परोसा जाता है, जब एंकर और विश्लेषक इनके निर्णायक मानकर बहस छेड़ देते हैं, और जब दर्शक इन्हें जनादेश का विकल्प समझने लगते हैं।

इसलिए ज़रूरत है एक संतुलित दृष्टिकोण की। एजिंट पोल को पूरी तरह प्रतिबंधित करना भी व्यावहारिक नहीं है, लेकिन इन्हें नियंत्रित और जवाबदेह तो

## सुप्रीम कोर्ट का फैसला जो युवाओं की आज़ादी की रक्षा करता है



ऑकारेश्वर पांडेय

खारिज करते हुए कहा कि 15 साल के सहैमति आधारित संबंध के बाद अलग हो जाना यौन उन्मीड़न या धोखाधड़ी की श्रेणी में नहीं आता। अदालत ने बच्चे के भरण-पोषण का रास्ता खुला रखा, लेकिन "रिश्ता तोड़ने" को दंडनीय अपराध बनाने से साफ इनकार कर दिया। “एक बार जब वह (साथी) संबंध छोड़कर चला जाता है तो यह आपराधिक अपराध नहीं है।”

यह एक ऐतिहासिक सीमारेखा है जो भावनाओं और कानून के बीच की दूरी साफ करती है। बहुत से लोग पूछ रहे हैं — क्या उत्तराखंड का यूसीसी (एकसमान नागरिक संहिता) इस फैसले से उलट है? उत्तर है: बिल्कुल नहीं। उत्तराखंड यूसीसी (जनवरी 2025 से प्रभावी) की धारा 385 साफ कहती है कि “दोनों साथी... समाप्ति का सूचना रजिस्टर को दे सकते हैं।” यह केवल सूचना देने की प्रक्रिया है — अपराध नहीं। सजा (6 माह जेल, 25,000 जुर्माना) केवल पंजीकरण न कराने पर है, संबंध तोड़ने पर नहीं। इसलिए यूसीसी और सुप्रीम कोर्ट का फैसला एक दिशा में हैं — दोनों ही लिव-इन को वैध मानते हैं, बच्चों के अधिकार सुरक्षित करते हैं और बिना अपराध बनाए रिश्ते से बाहर निकलने की छूट देते हैं।

हाल के अध्ययन और रिपोर्ट बताते हैं कि भारत के शहरी और अर्ध-शहरी युवाओं में लिव-इन तेजी से बढ़ रहा है: लिव-इन में वृद्धि पिछले 5 वर्षों में महानगरों (दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु) में लगभग 35-40% की वृद्धि (विभिन्न सोशल ट्रेड सर्वेक्षणों के अनुसार)। युवाओं की पसंद 23-30 वर्ष के 52% शिक्षित युवा-युवतियाँ शादी से पहले साथ रहकर देखना पसंद करते हैं (लव इंडिया सर्वे, 2024)।

यूसीसी के प्रति जागरूकता उत्तराखंड में 68% युवाओं ने कहा कि “पंजीकरण अनिवार्य होना चाहिए लेकिन ब्रेकअप पर सजा बर्दाश्त नहीं” (स्थानीय मीडिया पोल)। कानूनी मामले लिव-इन के बाद ब्रेकअप पर “रेग” या “धोखाधड़ी” के मुकदमे पिछले 3 वर्षों में लगभग 22% बढ़े थे — जिनका यह फैसला रास्ता रोकता है युवाओं और आज़ादी पर प्रभाव यह फैसला सिर्फ एक कानूनी टिप्पणी नहीं है — यह हर उस युवा के लिए राहत की साँस है जो डर के बिना जीना चाहता है। 1. डर मुक्त ब्रेकअप: अब कोई भी अपने साथी को “जेल भेजने” की धमकी नहीं दे सकता सिर्फ इसलिए कि रिश्ता टूट गया। यह युवाओं को मानसिक शोषण से बचाता है। 2. स्वतंत्रता का सम्मान: कानून कहता है — आप सहमति दे सकते हैं, और सहमति वापस भी ले सकते हैं। यह वयस्क संबंधों की बुनियाद है। 3. रजिस्ट्रेशन को बढ़ावा: अब युवा बिना झिझक यूसीसी के तहत लिव-इन रजिस्टर करवाएँगे, क्योंकि वे जानते हैं — रजिस्ट्रेशन का मतलब गुलामी नहीं है।

4. बच्चों के अधिकार अलग, रिश्ता तोड़ना अलग: कोर्ट ने स्पष्ट किया है — बच्चे के भरण-पोषण का दावा अलग से किया जा सकता है। यह महिलाओं और बच्चों दोनों की सुरक्षा करता है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य: भारत कहाँ खड़ा है? भारत का यह फैसला अकेला नहीं है। दुनिया के विकसित लोकतंत्र लंबे समय से लिव-इन को अपराध की श्रेणी से बाहर रखते हैं। भारत (सुप्रीम कोर्ट, 2026) लिव-इन वैध, ब्रेकअप गैर-आपराधिक नहीं केवल बच्चे के भरण-पोषण का अधिकार, कोई जेमानत नहीं गोवा (पुराना सिविल कोड) पुर्तगाली सिविल कोड (1867) पर आधारित नहीं पंजीकरण ज़रूरी, लेकिन ब्रेकअप पर कोई सज़ा नहीं — यही मॉडल उत्तराखंड यूसीसी ने अपनाया ऑस्ट्रेलिया De facto relationships (पारिवारिक कानून अधिनियम, 1975) नहीं 2 वर्ष साथ रहने पर संपत्ति और भरण-पोषण के अधिकार; ब्रेकअप सिविल मामला कनाडा (प्रांत अनुसार, आमतौर पर 2-3 वर्ष)

नहीं 3 वर्ष के बाद पति-पत्नी जैसे अधिकार, लेकिन बिना अपराधीकरण के अलग हो सकते हैं यूके कोई विशेष लिव-इन कानून, अनुबंधों पर निर्भरता नहीं लचीला मॉडल; अदालतें व्यक्तिगत मामलों का समाधान करती हैं \* गोवा का सिविल कोड (भारत में ही) दुर्लभों से लिव-इन को पहचानता है, बिना ब्रेकअप को अपराध बनाए। यही पैटर्न उत्तराखंड यूसीसी और सुप्रीम कोर्ट के फैसले में दिखता है। अतः यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यूसीसी और SC फैसले में कोई टकराव नहीं है — दोनों गोवा के प्रगतिशील मॉडल पर चल रहे हैं।

\* ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में भी ब्रेकअप का कोई दंड नहीं है। वहाँ ध्यान पंजीकरण, संपत्ति बंटवारे और बच्चों के अधिकारों पर है — ठीक वैसे ही जैसे भारत का नया फैसला कहता है। \* अंतर: पश्चिमी देशों में 2-3 वर्ष के साथ रहने के बाद स्वचांचित रूप से वैवाहिक अधिकार मिल जाते हैं। भारत अभी उस स्तर पर नहीं है लेकिन यह फैसला उस दिशा में पहला बड़ा कदम है। भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने तुलसा बनाम दुर्घटिया (2008) से ही मैरिज-लाइफ रिलेशनशिप (शादी जैसा रिश्ता) को DV अधिनियम के तहत सुरक्षा दी है। नए फैसले में अदालत ने स्पष्ट किया कि यह सुरक्षा ब्रेकअप को अपराध बनाने का लाइसेंस नहीं है। तुलना का सार: यदि ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सभ्य समाज हैं जहाँ लोग बिना डर के अलग हो सकते हैं तो भारत भी वही रास्ता अपना रहा है। गोवा पहले से है, SC और मजबूत कर रहा है, और यूसीसी इसी लकीर पर चलता है। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर साबित कर दिया है — भारत का युवा किसी से कम नहीं है। चाहे गोवा का सिविल कोड हो, ऑस्ट्रेलिया का डी फैक्टो कानून, या कनाडा का कॉमन-ला स्टेट्स — हर जगह यही सिद्धांत है: वयस्कों का सहमति आधारित संबंध कानूनी सुरक्षा पाने का अधिकार है लेकिन उसके टूटने को अपराध की कोठरी में नहीं ठूँसा जा सकता। यूसीसी (चाहे उत्तराखंड का हो या भविष्य का राष्ट्रीय) इसी दिशा में भारत को ले जाने वाला है — एक आधुनिक, प्रेम को मान्यता देने वाला लेकिन ब्रेकअप को आज़ादी देने वाला कानून।

## यूएई का ओपेक से अलगाव, अवसर या संकट?



पंकज जायसवाल

मौजूदा ईरान युद्ध इ ज रा इ ल अमेरिका युद्ध इकोनॉमिक्स के मेता प्रभाव के कारण द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से दुनिया की इकॉनमी को रिसेट करने का फिर से एक बड़ा कारण बन गया है। दुनिया फिर से नई स्प्लाइ चैन का निर्माण कर रही है। हार्मुज नाकाबंदी और उसके बाद ओमान की खाड़ी के नाकाबंदी के कारण ऐसे बदलाव स्वाभाविक दिख रहे हैं . आज इस युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। संयुक्त अरब अमीरात द्वारा ओपेक और ओपेक प्लस से बाहर निकलने का निर्णय केवल एक संस्थागत बदलाव नहीं बल्कि वैश्विक तेल राजनीति और आर्थिक शक्ति संतुलन में एक गहरा संकेत है। यह कदम उस समय आया है जब ऊर्जा बाजार पहले से ही भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति बाधाओं और बदलते आर्थिक समीकरणों के दबाव में है। ओपेक की स्थापना 1960 में इराक, ईरान, कुवैत, सऊदी अरब

और वेनेजुएला द्वारा की गई थी जिसका उद्देश्य तेल उत्पादक देशों के बीच समन्वय स्थापित कर वैश्विक कीमतों को स्थिर रखना था। समय के साथ यह संगठन 13 देशों तक विस्तारित हुआ और वैश्विक तेल बाजार में एक प्रभावशाली कार्टेल के रूप में उभरा। इस संगठन में सऊदी अरब की भूमिका सबसे प्रभावशाली रही है, जिसने उत्पादन और मूल्य निर्धारण में नेतृत्व किया।

हालांकि, 2016 के बाद वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया। अमेरिकी शेल ऑयल उत्पादन में वृद्धि से तेल की कीमतें गिर गईं, जिसके जवाब में ओपेक ने रूस सहित अन्य देशों के साथ मिलकर ओपेक प्लस का गठन किया। रूस, जो 2022 में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक था, इस गठबंधन का प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा। ओपेक और ओपेक प्लस मिलकर वैश्विक उत्पादन का लगभग आधे से अधिक हिस्सा नियंत्रित करते हैं, जिससे उनकी बाजार पर पकड़ अत्यंत मजबूत रही है। पिछले कुछ वर्षों में, विशेषकर

COVID-19 महामारी के बाद, ओपेक प्लस ने उत्पादन कटौती को एक प्रमुख नीति उपकरण और रणनीतिक औज़ार के रूप में इस्तेमाल किया। समय समय पर तेल उत्पादन की अतिरिक्त कटौती का निर्णय लिया, जिससे बाजार में कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास किया गया। यह स्पष्ट करता है कि ओपेक प्लस केवल एक संगठन नहीं, बल्कि वैश्विक तेल बाजार को नियंत्रित करने वाला एक रणनीतिक तंत्र बन चुका था। ऐसे परिदृश्य में यूएई का इस गठबंधन से बाहर निकलने के कई कारण समझ में आते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यूएई के खुद के उत्पादन स्वतंत्रता और क्षमता का पूर्ण इस्तेमाल करने की इच्छा है। यूएई अपनी बढ़ती उत्पादन क्षमता का पूर्ण उपयोग करना चाहता है, लेकिन ओपेक प्लस के कोटा सिस्टम ने उसे सीमित कर रखा था। इसके अतिरिक्त, सऊदी अरब के साथ नीति संबंधी मतभेद और क्षेत्रीय भू-राजनीतिक तनाव भी इस निर्णय के पीछे प्रमुख कारक हैं। यूएई ने इस बाबत सऊदी अरब से कई बार कहा भी था लेकिन उसकी

बातों का कोई परिणाम नहीं निकला। हार्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामरिक मुद्दा भी है।

यूएई के इस कदम का वैश्विक स्प्लाइ चैन पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। सबसे पहले, ओपेक की सामूहिक शक्ति कमजोर होगी, जिससे उत्पादन अनुशासन में गिरावट आ सकती है। दूसरा, यूएई अब स्वतंत्र रूप से उत्पादन बढ़ा सकता है, जिससे बाजार में अतिरिक्त आपूर्ति आएगी। हालांकि, अल्पकाल में भू-राजनीतिक तनाव के कारण कीमतें ऊंची रह सकती हैं, लेकिन दीर्घकाल में अधिक उत्पादन कीमतों को नीचे ला सकता है। इससे तेल बाजार में प्रतिस्पर्द्धिता के साथ साथ अस्थिरता बढ़ने की संभावना है।

यह बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। ओपेक की कमजोर होती पकड़ यह संकेत देती है कि ऊर्जा बाजार धीरे-धीरे बाजार आधारित नियंत्रण से मुक्त कटौत की ओर बढ़ रहा है।

## अशांति से शांति की ओर यात्रा ही है बुद्ध का मार्ग

प्रतिवर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा को ‘बुद्ध पूर्णिमा’ के रूप में मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा इस वर्ष 1 मई को है। माना जाता है कि 563 ई.पू. वैशाख मास की ही दिन



योगेश कुमार गोयल

लुम्बिनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने वैशाख पूर्णिमा को ही बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया था। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। गौतम उनका गौत्र था किन्तु कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध,

निकलकर पूर्ण वैरागी बन गए और



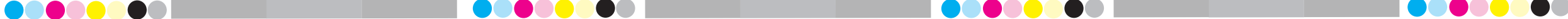
भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। बनपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ यशोधरा तथा पुत्र राहुल को गहरी नींद में सोता छोड़ उन्होंने घर-परिवार और राजसी सुखों का परित्याग कर दिया तथा सत्य एवं ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप किया और सुखकर कांटा हो गए किन्तु

ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। उसके बाद उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक शक्ति प्राप्त की और बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा कम से कम दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना वे यहां से नहीं उठेंगे।

सात सप्ताह के गहन चिंतन-मनन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनकी बोधदृष्टि जागृत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। सारथी ने बताया, “यह भी एक मनुष्य है और इस समय यह बीमार है। इस दुनिया में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी रोगी होकर दु:खों का सामना करना ही पड़ता है।”

आगे बढ़ने पर सिद्धार्थ ने मार्ग से गुजरते एक वृद्ध, निर्बल व क्रुशकाय व्यक्ति और उसके बाद एक मृत व्यक्ति की अर्थी ले जाते विलाप करते लोगों को देखा तो हर बार सारथी से उसके बारे में पूछा। सारथी ने एक-एक कर उन्हें मनुष्य की इन चारों अवस्थाओं के बारे में बताया कि हर व्यक्ति को कभी न कभी बीमार होकर कष्ट झेलने पड़ते हैं। बुढ़ापे में काफी दु:ख

जानकर बहुत दु:खी हुए। आगे उन्हें एक साधु नजर आया, जो बिल्कुल कुशकाय होकर चलने-फिरने में भी कठिनाई महसूस करने लगता है और आखिर में उसकी पूर्णिमा के ही दिन मृत्यु हो जाती है। सिद्धार्थ यह रहस्य जानकर बहुत दु:खी हुए। आगे उन्हें एक साधु नजर आया, जो बिल्कुल कुशकाय होकर चलने-फिरने में भी कठिनाई महसूस करने लगता है और आखिर में उसकी पूर्णिमा के ही दिन मृत्यु हो जाती है। सिद्धार्थ यह रहस्य जानकर बहुत दु:खी हुए। आगे उन्हें एक साधु नजर आया, जो बिल्कुल कुशकाय होकर चलने-फिरने में भी कठिनाई महसूस करने लगता है और आखिर में उसकी पूर्णिमा के ही दिन मृत्यु हो जाती है।





दुर्लभ आकृतियों के दर्शन नहीं कर पाते, वे यहाँ आकर दर्शन कर अपने दोषों से मुक्ति पा सकते हैं।

**मंदिर से जुड़ी मान्यताएं और परिसर**

मंदिर से जुड़ी लोक कथाओं के अनुसार, भगवान ने स्थानीय निवासी रामोजी राव के सपने में आकर इस स्थान पर अपनी उपस्थिति का संकेत दिया था। कहा जाता है कि एक गरुड़ पक्षी के मार्गदर्शन में भागवान की मूर्ति खोजी गई, जिसके बाद पहाड़ी के ऊपर इस मंदिर निर्माण किया गया। मंदिर परिसर में प्रवेश करना ही एक भव्य और प्राचीन गोपुरम भक्तों का स्वागत करता है। मुख्य मंदिर तक पहुंचने से पहले श्रद्धालु यहाँ स्थित प्राचीन शिव मंदिर और अंजनय स्वामी मंदिर के भी दर्शन करते हैं। साथ ही, परिसर में मौजूद एक सुंदर पुष्करिणी शांति और सुकून का अहसास कराती है।

धूमने के लिए खास जगह और समय पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए यह स्थान दिन बिताने के लिएहाजिरे हैं।की काफी उपयुक्त माना जाता है। मंदिर के पास ही लगभग 200 साल पुराना एक विशाल रावी यानी पीपल का पेड़ है, जहां लोग अक्सर पिकनिक मनाते और भोजन बनाते नजर आते हैं। मंदिर के पीछे स्थित एक बड़ा जलाशय इसकी सुंदरता को और बढ़ा देता है।

भक्तों के दर्शन के लिए मंदिर सुबह 6:00 बजे से 11:30 बजे तक और शाम 4:30 बजे से 6:00 बजे तक खुला रहता है। अगर आप शहर की भीड़-भाड़ से दूर किसी शांत और ऐतिहासिक जगह की तलाश में हैं, तो कडाकेंची का यह आदिनारायण स्वामी मंदिर एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। यहां की शांत फिज और पौराणिक मान्यताएं आपको अलग तरह का अनुभव देती हैं।

बुद्ध पूर्णिमा को वैशाख पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इस बार 1 मई को वैशाख पूर्णिमा का व्रत किया जाएगा। मान्यता है कि इस दिन किए गए कार्यों से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इसलिए इस दिन किए गए उपायों से भी सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। आएँ जानते हैं वैशाख पूर्णिमा के उपाय।

वैशाख मास में आने वाली पूर्णिमा का विशेष महत्व है। यह तिथि भगवान विष्णु को अधिक प्रिय है। वैशाख मास में आने वाली पूर्णिमा का बुद्ध पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। पूर्णिमा तिथि का शास्त्रों में अधिक महत्व बताया गया है। मान्यता है अनुसार, जो भी मनुष्य बुद्ध पूर्णिमा का व्रत करता है इस पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा बनी रहती है।

**बुद्ध पूर्णिमा महत्व**

पंडित राकेश झा बताते हैं कि बुद्ध पूर्णिमा का व्रत 1 मई को रखा जाएगा। पूर्णिमा तिथि का आरंभ 30 अप्रैल को रात 9 बजेकर 13 मिनट पर शुरू हो चुका है और 1 मई को रात 10 बजेकर 53 मिनट पर इसका समापन होगा। यह तिथि हिंदू धर्म के साथ साथ बौद्ध धर्म के लिए भी बहुत ही पवित्र माना जाता है। वैशाख पूर्णिमा को स्नान, दान और तप के लिए बहुत ही श्रेष्ठ माना गया है। इस दिन गौतम बुद्ध का भी जन्म हुआ था। इसलिए इसे गुरु पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस दिए आप जो भी कार्य करते हैं उससे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

**बुद्ध पूर्णिमा उपाय**

१) शास्त्रों में कहा गया है कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन मीठी जल का कढ़ा करें। मीठी जल से घरे घड़े का दान करने चाहिए ऐसा करने से अनजाने में की गई गलतियाँ से मुक्ति मिलती है।

२) बुद्ध पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को अर्घ्य देने का विशेष महत्त्व बताया गया है। रात में चंद्रोदय के समय चंद्रमा में दूध डालकर चंद्रमा को अर्घ्य देने ऐसा करने से कुड़ली में कमजोर चंद्रमा मजबूत होता है। साथ ही चंद्र दोष भी दूर होता है। चंद्रमा को अर्घ्य देने के लिए जल में थोड़ा दूध और मिश्री जरूर डालें।

३) भगवान विष्णु को पूर्णिमा तिथि विशेष महत्त्वपूर्ण है इसलिए इस दिन भगवान विष्णु के मंत्रों का जप करें। उनका ध्यान करें।



अर्पित करें। साथ ही देवी लक्ष्मी को खीर का भोग भी जरूर लगाएं। थोड़ी खीर इस दिन चंद्रमा को भी अर्पित करें। चंद्र देव के लिए एक कटोरी में खीर लेकर उसे चंद्रमा की रोशनी में रख आएं। फिर उस प्रसाद को अगले दिन आप ग्रहण कर लें।

जीवन में ऐसा दौर कई बार आता है जब मेहनत के बावजूद काम नहीं बनता, नौकरी में अड़चन आती है या बिजनेस लगातार घाटे में जाता है। ऐसे समय में ईसान अक्सर खुद पर शक करने लगता है। लेकिन ज्योतिष की नजर से देखें तो हर रुकावट सिर्फ प्रशंसा नहीं होती कभी-कभी ये बड़े बदलाव का संकेत भी होती है। ग्रहों की चाल और ऊर्जा के बदलाव जीवन में नई शुरुआत का रास्ता तैयार करते हैं, बस जरूरत होती है इन संकेतों को समझने की। अब सब कुछ रुकता हुआ लगे, तभी कुछ नया बन रहा होता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब ग्रह अपनी स्थिति बदलते हैं, तो इसका असर सीधे हमारे काम और निर्णयों पर पड़ता है। कई बार ये बदलाव पहले कठिनाइयों के रूप में सामने आते हैं। जैसे अचानक प्रोजेक्ट फेल होना, इंटरव्यू में रिजेक्शन या बिजनेस में लगातार नुकसान ये सब संकेत हो सकते हैं कि पुराना रास्ता अब आपके लिए सही नहीं है।

**बार-बार असफलता मिलना**

अगर आप किसी एक दिशा में लगातार कोशिश कर रहे हैं लेकिन हर बार असफलता ही हाथ लग रही है, तो इसे सिर्फ किस्मत खराब होना मत समझिए। ज्योतिष कहता है कि यह संकेत हो सकता है कि ब्रह्मांड आपको दूसरी दिशा में जाने के लिए प्रेरित कर रहा है। कई लोगों ने अपने करियर में बड़ा बदलाव ऐसे ही समय पर किया है और सफलता पाई है।

**अचानक काम में मन न लगना**

कभी-कभी ऐसा होता है कि जिस काम को आप पहले पूरे मन से करते थे, अब उसमें रूचि खत्म होने लगती है। यह सिर्फ थकान नहीं, बल्कि आपके अंदर हो रहे ऊर्जा परिवर्तन का संकेत हो सकता है। ग्रहों की स्थिति आपको यह बता रही होती है कि अब कुछ नया सीखने या करने का समय आ गया है।

**पुराने संबंधों का टूटना**

काम या बिजनेस में पार्टनरशिप टूटना, सहकर्मियों से दूरी बनना या अचानक मतभेद बढ़ना भी ऐसे संकेत हो सकते हैं। ज्योतिष में इसे पुराने चक्र के खत्म होने के रूप में देखा जाता है। जब पुराने संबंध खत्म होते हैं, तभी नए अवसर और लोग आपकी जिंदगी में आते हैं।

**ग्रहों का प्रभाव और नई दिशा**

ग्रहों का गोचर हमारे जीवन में बदलाव लाता है। खासतौर पर शनि, राहु और केतु जैसे ग्रह जब अपनी स्थिति बदलते हैं, तो करियर और आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है।

**अचानक नए मौके दिखना**

नुकसान और असफलताओं के बीच अगर अचानक नया अवसर सामने आता है जैसे नया जॉब ऑफर, अ फ्रीलड में काम करने का मौका या कोई नया आइडिया इसे नजरअंदाज न करें। यह संकेत हो सकता है आपकी नई शुरुआत वहीं से होने वाली है।

**आत्मचिंतन की ओर झुकाव**

जब ईसान बार-बार हासता है, तो वह खुद के अंदर झांकता है। यह आत्मचिंतन ही असली बदलाव शुरुआत होती है। ज्योतिष के अनुसार, यह हमें आत्मविश्लेषण और नई योजना बनाने के लिए सबसे होता है।

**बदलाव को स्वीकार करना ही असली कुंजी**

जीवन में बदलाव से डरना स्वाभाविक है, लेकिन कड़वा यही बदलाव आपको वहां ले जाता है जहां आप वास्तव में पहुंचना चाहते हैं। अगर आपके जीवन में भी ऐसे संकेत दिख रहे हैं, तो घबराने के बजाय उन्हें समझने की कोशिश करें।

अक्सर लोग सोचते हैं कि नुकसान का मतलब अंधा लेकिन ज्योतिष कहता है कि यह एक नई शुरुआत तैयारी है। इसलिए जब अगली बार आपको लगे कि कुछ गलत हो रहा है, तो रुककर सोचिए शायद आपके लिए सही दिशा का इशारा है।

हनेत के  
मानी हैं या  
में ईसान  
योतिष की  
नहीं होती  
। ग्रहों की  
आत का  
केतो को  
तभी कुछ  
ते बदलते  
नर्णयों पर  
ओं के रूप  
ल होना,  
कसान ये  
पके लिए

शर का रहे  
के, तो इसे  
कहा  
को दूसरी

दिशा में जाने के लिए प्रेरित क  
अपने करियर में बड़ा बदलाव ऐ  
और सफलता पाई है।

**आचानक काम में म**

कभी-कभी ऐसा होता है कि जिस  
मन से करते थे, अब उसमें रु  
यह सिर्फ थकान नहीं, बल्कि अ  
परिवर्तन का संकेत हो सकता है  
यह बता रही होती है कि अब कु  
का समय आ गया है।

**पुराने संबंधों व**

काम या बिज़नेस में पार्टनरशिप  
बनना या आचानक मतभेद बढ़ना  
है। ज्योतिष में इसे पुराने चक्र  
देखा जाता है। जब पुराने संबंध  
अवसर और लोग आपकी जिंदगी  
**ग्रहों का प्रभाव और**

ग्रहों का गोचर हमारे जीवन में ब  
पर शनि, राहु और केतु जैसे  
बदलते हैं, तो करियर और आर्थि  
पड़ता है।

**आचानक नए मौ**

रहा है। कई लोगों ने  
ही समय पर किया है

**न लगना**

काम को आप पहले पूरे  
खत्म होने लगती है।  
के अंदर हो रहे ऊर्जा  
प्रहों की स्थिति आपको  
नया सीखने या करने

**टूटना**

साहकर्मियों से दूरी  
एक संकेत हो सकता  
खत्म होने के रूप में  
व्यक्त होते हैं, तभी न  
में आते हैं।

**नई दिशा**

लाव लाता है। खासतौर  
ह जब अपनी स्थिति  
स्थिति पर गहरा असर

**दिखना**

नुकसान और असफल  
नया अवसर सामने  
फिल्ड में काम करने  
इसे नजरअंदाज न  
आपकी नई शुरुआत

**आत्म**

जब इंसान बार-बार  
लगाता है। यह आ  
शुरुआत होती है।  
आत्मविश्लेषण और  
होता है।

**बदलाव को स्**

जीवन में बदलाव से  
यही बदलाव आपके  
में पहुंचना चाहते हैं।  
दिख रहे हैं, तो घ  
कोशिश करें।  
अक्सर लोग सोचते  
लेकिन ज्योतिष कह  
तैयारी है। इसलिए उ  
कुछ गलत हो रहा  
आपके लिए सही दि

अजकल के दौर में रिश्ते पहले से ज्यादा कॉम्प्लिकेटेड हो गए हैं। शुरुआत में सब कुछ अच्छा लगता है, लेकिन समय के साथ वही रिश्ता धीरे-धीरे टंडा पड़ने लगता है। छोटी-छोटी बातों पर बहस, कम होता संवाद और बढ़ती दूरी कई लोगों की आम समस्या बन चुकी है। ऐसे में लोग अक्सर सोचते हैं कि आखिर गलती कहां हो रही है। दिलचस्प बात ये है कि सदियों पहले बताई गई चाणक्य नीति आज भी रिश्तों के इन उतार-चढ़ाव को समझने में मदद करती है। इसमें रिश्तों को मजबूत बनाने के कुछ ऐसे आसान और व्यवहारिक तरीके बताए गए हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने संबंधों में फिर से मिठास ला सकते हैं, अगर आपको भी लगता है कि आपके रिश्ते में पहले जैसा प्यार नहीं रहा, तो इन बातों को समझना जरूरी हो जाता है।

**रिश्तों की नींव क्यों हिलने लगती है ?**

हर रिश्ता शुरुआत में मजबूत होता है, लेकिन समय के साथ जब समझदारी की जगह अहंकार और धैर्य की जगह जल्दबाजी आ जाती है, तो दूरी बढ़ने लगती है। कई बार लोग अपने पार्टनर को समझने के बजाय उसे बदलने की कोशिश करते हैं,

जल्दबाजी में रिश्ते में बदलाव लाने के लिए, लेकिन समय के लिए काम करता है। लंबे समय में सच्चाई ही रिश्ते को मजबूत बनाती है। छोटी आदतें को बड़ा फर्क डालती हैं

**ज्यादा उम्मीदें मत रखें**

जब आप अपने पार्टनर से जरूरत से ज्यादा उम्मीद रखते हैं, तो निराशा बढ़ती है। रिश्ते में निराशा एक खतरनाक संकेत है। इसलिए अपने पार्टनर को आपस में अपेक्षाओं को थोड़ा कम करना जरूरी है।

**गुस्से को कंट्रोल करना सीखें**

गुस्से में कही गई बातें दिल पर गहरा असर डालती हैं। कई बार एक पल का गुस्सा सालों की नजदीकियां खत्म कर देता है। इसलिए प्रतिक्रिया देने से पहले सोचना जरूरी है।

**समय देना सबसे जरूरी है**

आजकल की बिजी लाइफ में लोग अपने रिश्तों को समय देना भूल जाते हैं। लेकिन सच यही है कि बिना समय दिए कोई भी रिश्ता मजबूत नहीं बन सकता।

**सही साथी का चुनाव अहम है**

हर रिश्ता सही व्यक्ति से शुरू होता है, अगर आपका पार्टनर आपकी सोच और भावनाओं को समझता है, तो आधी समस्याएं खुद ही खत्म हो जाती हैं।

**सच्चाई से ही टिकता है रिश्ता**

कई लोग झूठ बोलकर चीजों को संभालने

जो सबसे बड़ी गलती होती है। यही वो मोड़ होता है जहां रिश्ते कमजोर होने लगते हैं। चाणक्य नीति के वो नियम जो रिश्ते बचा सकते हैं

**भरोसा ही असली ताकत है**

अगर रिश्ते में भरोसा नहीं है, तो बाकी सब बेकार है। शक धीरे-धीरे रिश्ते को अंदर से खत्म कर देता है। एक छोटा सा झूठ भी बड़े नुकसान का कारण बन सकता है। इसलिए पारदर्शिता बनाए रखना बेहद

जरूरी है।

**सम्मान बिना रिश्ता अधूरा है**

प्यार अपने आप में काफी नहीं होता, उसमें सम्मान भी होना चाहिए, अगर आप अपने पार्टनर की बातों को नजरअंदाज करते हैं या उनकी भावनाओं की कद्र नहीं करते, तो रिश्ता ज्यादा दिन नहीं टिकता।

**गुस्से को कंट्रोल करना सीखें**

गुस्से में कही गई बातें दिल पर गहरा असर डालती हैं। कई बार एक पल का गुस्सा सालों की नजदीकियां खत्म कर देता है। इसलिए प्रतिक्रिया देने से पहले सोचना जरूरी है।

**समय देना सबसे जरूरी है**

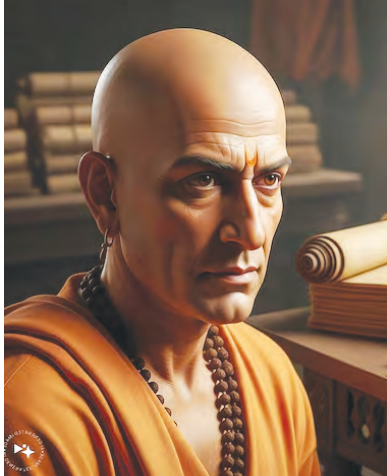
आजकल की बिजी लाइफ में लोग अपने रिश्तों को समय देना भूल जाते हैं। लेकिन सच यही है कि बिना समय दिए कोई भी रिश्ता मजबूत नहीं बन सकता।

**सही साथी का चुनाव अहम है**

हर रिश्ता सही व्यक्ति से शुरू होता है, अगर आपका पार्टनर आपकी सोच और भावनाओं को समझता है, तो आधी समस्याएं खुद ही खत्म हो जाती हैं।

**सच्चाई से ही टिकता है रिश्ता**

कई लोग झूठ बोलकर चीजों को संभालने



सबसे बड़ी गलती होती है। यही वो मोड़ है जहाँ रिश्ते कमजोर होने लगते हैं। गणव्युक्ति नीति के वो नियम जो रिश्ते बचाते हैं

**भरोसा ही असली ताकत है**

गर रिश्ते में भरोसा नहीं है, तो बाकी सब कार है। शक धीरे-धीरे रिश्ते को अंदर से तप्त कर देता है। एक छोटा सा झूठ भी डेढ़ नुकसान का कारण बन सकता है। इसलिए पारदर्शिता बनाए रखना बेहद

को समय देना भूल जाते हैं। लेकिन यही है कि बिना समय दिए कोई भी काम मजबूत नहीं बन सकता।

**ही साधू का चुनाव अहम है**

रिश्ता सही व्यक्ति से शुरू होता है, और आपका पार्टनर आपकी सोच और नानाओं को समझता है, तो आधो स्याएं खुद ही खत्म हो जाती हैं।

**स्वायं से ही टिकता है रिश्ता**

लोग झूठ बोलेकर चीजों को संभालने

आज  
रिश्तों  
सच  
रिश्ता  
हर रि  
अगर  
भावने  
समस्

करते हैं, लेकिन ये सिर्फ कुछ  
एक काम करता है। लंबे समय  
पि रिश्ते को मजबूत बनाती है।  
को बड़ा फर्क डालती है।  
**यादा उम्मीदें मत रखें**  
अपने पार्टनर से ज़रूरत से ज्यादा  
ते हैं, तो निराशा बढ़ती है।  
को आसान रखना है। तो  
थोड़ा कम करना जरूरी है।  
**को कंट्रोल करना सीखें**  
मैं गई बारें दिल पर गहरा असर  
कई बार एक पल का गुस्सा  
तजदीकियां खत्म कर देता है।  
तत्क्रिया देने से पहले सोचना  
**मय देना सबसे जरूरी है**  
नी बिजी लाइफ में लोग अपने  
मय देना भूल जाते हैं। लेकिन  
कि बिना समय दिए कोई भी  
तु नहीं बन सकता।  
**साथी का चुनाव अहम है**  
सही व्यक्ति से शुरू होता है,  
का पार्टनर आपकी सोच और  
को समझता है, तो आधी  
द ही खत्म हो जाती हैं।



हनुमान एक धार्मिक घटना मात्र नहीं है, जाता है। बल्कि यह इस बात का प्रतीक है कि नका जन्म जब भी दुनिया को धर्म की रक्षा के लिए शक्ति और भक्ति को जग शक्ति और भक्ति को आवश्यकता होती है, तब मानवता का मार्गदर्शन करने के लिए दिव्य शक्तियाँ अवतार लेती हैं। उपवास भगवान हनुमान का जीवन हमें यह कर पूजा सिखाता है कि सच्ची भक्ति और उनका निस्वार्थ सेवा के माध्यम से हम उनकी किसी भी कठिन चुनौती पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। उनके जन्म की प्रथा गाथा आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है, और भविष्य की पीढ़ियों को भी धर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

हमारे परिवारों में देखते ही प्यारे हम लोगों ने विभेद खड़े कर दिए। परिवारों में सब समान नहीं थे, ये परिवार ही नहीं सोच की चीजें थीं ये उड़ गया। निज-हित की भाँति ने परिवार में कलह, झगड़न को आमंत्रण दे दिया। छोटे-छोटे का इशारा अहंकार को प्रेरित कर रहा है और अहंकार परिवारों का सबसे बड़ा दुश्मन। अब परिवारों में रिवर्स मेंट्रिंग का समय आ गया है। बड़े, छोटे, सीखें और छोटे, बड़ों को गायद दे- इस काम करने पर बड़ी हर्जाई साधन करना होगा।

नैतिक दृश्य में जैसे नागरिक और मतदाता अलग-अलग नजर आते हैं, हालाँकि नेता लोग मानते नहीं हैं। जो लाभ मतदाता को दिया जाता है, वो नागरिक को नहीं मिलता। जैसे घरों में बंगला नागरिक की तरह होती है और बेटी मतदाता की तरह। आज परिवार में छोटे हो या बड़े लेकिन जब भी कोई निर्णय लेता है तो मतदाता के पक्ष में गतिविधि करें, तो केवल परिवार के सदस्यों को ही दे देखें- समूह परिवारों को और उसका भविष्य देखें। कामकाज की दुनिया में प्रोफेशनल वैल्यू, ह्यूमन वैल्यू से ऊँची बन गई, लेकिन कम से कम घरों में यह न हो।

खते ही  
 भेद खड़े  
 बर समान  
 सोच की  
 -हित की  
 कह,   
 दे दिया।  
 अंकार को  
 अहंकार  
 का दुष्मन  
 में मंतरिंग  
 है, छोड़ों  
 बड़ों को  
 पर बड़ी  
 प्रोग।  
 नागरिक







## सचिन पायलट को लेकर मदन राठौड़ का बड़ा बयान

ऐसे नेता अगर भाजपा में आते हैं तो हमारे दरवाजे उनके लिए हमेशा खुले हैं

जयपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि सचिन पायलट समझदार नेता हैं। वे भाजपा में आने की सोच सकते हैं। सचिन देश-काल की परिस्थिति को समझने वाले नेता हैं। हम भाजपा में हर उस व्यक्ति का स्वागत करेंगे, जिनमें राष्ट्र भक्ति का भाव है और जिनकी कांग्रेस में आत्मा झकझोर रही है।

मदन राठौड़ ने कहा कि ऐसे नेता अगर भाजपा में आते हैं तो हमारे दरवाजे उनके लिए हमेशा खुले हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व में देश भक्ति का भाव नहीं है। इसलिए वहां अच्छे और ईमानदार राष्ट्रचरित्र वाले नेता भला क्यों रहेंगे?

**राजस्थान में इस बयान पर राजनीति गरमा गई**

इससे पूर्व 'बहुरूपिया' वाले बयान पर राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने 28 अप्रैल को



जयपुर में प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल के बयान की नई व्याख्या की, बल्कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी आड़े हाथों लिया। अशोक गहलोत के बयान कि सचिन पायलट के 'दोनों पैर कांग्रेस में' हैं इस पर मदन राठौड़ ने कहाकि, गहलोत आज भी पायलट को बच्चा मानते हैं, जबकि वे लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं और कई बड़े पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। अशोक गहलोत के बयान से यह भाव



झलकता है कि वे मानते हैं पायलट पहले गलती कर चुके हैं और अब बस टिके रहेंगे, कोई गड़बड़ नहीं करेंगे।

**इसका अर्थ नकारात्मक नहीं – मदन राठौड़**

सचिन पायलट को 'बहुरूपिया'

कहने वाले राधा मोहन दास अग्रवाल के बयान का बचाव करते हुए मदन राठौड़ ने कहा, 'इसका अर्थ नकारात्मक नहीं है। सचिन पायलट का व्यक्तित्व सौम्य और प्रभावशाली है, लेकिन जरूरत

पड़ने पर वे रौद्र रूप भी अपना लेते हैं। अपने पिता के साथ हुए व्यवहार के वक्त पायलट का एक अलग ही रूप सामने आया था, इसलिए उन्हें बहुरूपिया कहा गया।

**राधा मोहन दास अग्रवाल ने क्या कहा था ?**

हुआ यह कि सोमवार (27 अप्रैल) को टोंक में भाजपा प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने बिना नाम लिए सचिन पायलट पर तीखा प्रहार किया। राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा था कि टोंक का एक लंबा इतिहास रहा है, लेकिन आज एक 'बहुरूपिया' वहां का विधायक बन गया है। उन्होंने कहा कि यह शख्स न तो टोंक का निवासी है और न ही राजस्थान का।

राधा मोहन दास अग्रवाल ने खुद का उदाहरण देते हुए कहा, 'मैं यूपी से हूँ और राजस्थान का प्रभारी हूँ, लेकिन सपने में भी यहां से विधायक बनने की नहीं सोचूंगा।

### अटरू नगर पालिका का सहायक कर्मचारी और दलाल रिश्वत लेते गिरफ्तार पट्टा बनाने के नाम पर मांगे 50 हजार



झालावाड़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। परिवादी ने 27 अप्रैल को मोबाइल के माध्यम से एसबी झालावाड़ चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि ग्राम लक्ष्मीपुरा स्थित प्लॉट का पट्टा बनवाने के लिए नगर पालिका में आवेदन किया गया था, जिसके बदले अजय सिंह ने 60 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने के बाद एसबी ने उसी दिन गोपनीय सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान आरोपी ने मौलभाव के बाद 50 हजार रुपये में सौदा तय किया और राशि अपने सहयोगी दलाल पवन को देने के लिए कहा। रिश्वत मांग की पुष्टि होने पर एसबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई की। पुलिस निरीक्षक साजिद खान के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को परिवादी से 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि अजय सिंह संविदाकर्मी होने के बावजूद नगर पालिका में जैईएन का कार्यभार भी संभाल रहा था। फिलहाल एसबी द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

## चलती कार में लगी आग, 2 बच्चियों सहित एक ही परिवार के 5 लोग जिंदा जले

अलवर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर देर रात बड़ा हादसा हो गया। चलती कार में आग लगने से 5 लोग जिंदा जल गए और कार चालक गम्भीर रूप से झुलस गया। गंभीर घायल को उपचार के लिए अलवर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे गंभीर हालत में जयपुर रैफर कर दिया।

डीएसपी कैलाश ज़िंदल ने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर देर रात करीब 12 बजे मौजपुर के समीप पिलर नम्बर 115/300 पर दिल्ली से कोटा की ओर जा रही एक कार में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने पूरी कार को चपेट में ले लिया। कार में सवार लोगों को सम्भलने का मौका ही नहीं मिला और पूरी कार चंद मिनटों में आग का गोला बन गई। पुलिस से

मिली जानकारी के अनुसार कार में गैस लीकेज के चलते आग लगी।

**तीन महिला, एक बच्ची सहित 5 लोग जिंदा जले**

हादसे में पति-पति, दो बेटी और सास की जिंदा जलने से मौत हो गई। वहीं, कार चालक एमपी के श्योपुर निवासी विनोद कुमार मेहर ने बड़ी मुश्किल से कार से कूद कर अपनी जान बचाई। हादसे में कार चालक विनोद कुमार मेहर 80 प्रतिशत झुलस गया।

**2 दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया**

वही, स्थानीय लोगों की सूचना पर एनएचआई पेट्रोलिंग टीम व एम्बुलेंस मौके पर पहुंचे। हादसे की सूचना मिलते ही गश्त कर रही लक्ष्मणगढ़ पुलिस थाने का जाफ़ा व एसएचओ नेकीराम मौके पर पहुंचे और दमकल को भी सूचना दी। मौके पर पहुंची 2

दमकलों ने आग पर काबू पाया। लेकिन, इससे पहले ही कार कबाड़ में तब्दील हो गई। कर दिया। कुछ ही देर में ही डीएसपी कैलाश ज़िंदल भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

**शव पूरी तरह जलकर कंकाल में बदल गए**

हादसा इतना भयावह था कि शव पूरी तरह जलकर कंकाल में बदल गए, जिन्हें अलग-अलग पोर्टलियों में समेटना पड़ा। पुलिस ने डॉक्टरों के सहयोग से मृतकों के अवशेषों की एकत्रित किया और पोस्टमार्टम के लिए लक्ष्मणगढ़ सीएचसी की मोचरी में रखवाया। शवों की पहचान के लिए डीएनए सैम्पल लेकर जांच के लिए भेजे गए। परिजनों के पहुंचने के बाद मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम किया जाएगा।

मृतकों में पति-पति, दो बेटी और सास शामिल एसएचओ नेकीराम का कहना

है कि मृतकों की पहचान हो गई है। मृतकों में पति-पति, दो बेटी और सास शामिल है। हादसे में संतोष (35), शशि (32) पत्नी संतोष, रागिनी पुत्री संतोष, साक्षी पुत्री संतोष और साल पार्वती (50) निवासी चैनपुरा श्योपुर की मौत हो गई। परिजनों को हादसे के बारे में जानकारी दे दी गई है।

**एसपी सुधीर चौधरी ने लिया घटनास्थल का जायजा**

हादसे में 80 प्रतिशत झुलसे कार चालक को ईलाज के लिए पिनान के सीएचसी में भिजवाया। जहां से उसे अलवर रैफर कर दिया। लेकिन, गंभीर हालत में चलते जयपुर रैफर कर दिया। घायल का जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार जारी है। सूचना मिलते ही एसपी सुधीर चौधरी भी मौके पर पहुंचे और हादसे की जानकारी लेकर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

## ‘मरने दो, हमारे पास जीप नहीं है’ पुलिस की बात सुन भड़के नरेश मीणा, थाने में धरने पर बैठे

टोंक, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव लड़ चुके भगत सिंह सेना के सुप्रमो नरेश मीणा एक बार फिर अपने तेवर के कारण चर्चा में हैं। घाड़ थाना क्षेत्र में सड़क हादसे के घायल युवक की सुनवाई नहीं होने पर मीणा ने थाने में ही धरना दे दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के हस्तक्षेप के बाद घायल को अस्पताल पहुंचाया गया।

बता दें कि नरेश मीणा दूनी क्षेत्र के मुगलाना गांव में एक शादी समारोह से लौट रहे थे। जब वे नगरफोर्ट की ओर जा रहे थे, तो घाड़ थाने से महज 40-50 मीटर की दूरी पर उन्होंने सड़क किनारे भीड़ और एक लहलुहान युवक को देखा।



दूनी निवासी भागचंद मिस्त्री की बाइक के सामने अचानक सांड आ गया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर पड़ा था। नरेश मीणा ने आरोप लगाया कि ग्रामीणों ने हादसे की सूचना रुरंत घाड़ पुलिस को दी थी। लेकिन पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए कोई वाहन उपलब्ध नहीं कराया।

पीड़ित की हालत बिगड़ती देख नरेश मीणा ने तुरंत अपनी साफी (पगड़ी) उतारकर घायल युवक के सिर पर बांधी ताकि खून बहना रुक सके। पुलिसकर्मियों के इस गैर-जिम्मेदारीाना रवैये से नाताज होकर वे साथियों सहित थाने के भीतर ही धरने पर बैठ गए।

थाने में सुनवाई न होने पर मीणा ने सोधे जिले के पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया और मौके की संवेदनशीलता से अवगत कराया। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी के आदेश के मात्र 10 मिनट के भीतर पुलिस ने कार की व्यवस्था की और घायल भागचंद को दूनी अस्पताल भिजवाया।

### एचडीएफसी बैंक की एटीएम कैश वैन में लगी भीषण आग, 2 करोड़ रुपए का कैश बचाया

टोंक, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के टोंक में नेशनल हाईवे-52 पर स्थित निवाई क्षेत्र में गुरुवार दोपहर को एक बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक की एटीएम कैश वैन में अचानक आग लग गई। तेज हवा की वजह से आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। देखते ही देखते वैन आग का गोला बन गई। एचडीएफसी बैंक की एटीएम कैश वैन जयपुर से भीलवाड़ा की ओर जा रही थी। इस वैन करीब 2 करोड़ रुपए कैश थे। गनीमत यह रही कि समय रहते निवाई पुलिस और हाईवे कर्मी को सूचना मिल गई। जिससे वह सक्रिय हो गए। रहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी भी प्रकार के जान की हानि नहीं हुई। साथ ही वैन में रखे करीब 2 करोड़ रुपए भी सुरक्षित बचा लिए गए।

बताया जा रहा है कि एटीएम कैश वैन में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। पूरी एटीएम कैश वैन आग के गोले में तब्दील हो गई। पर चालक ने सूझबूझ दिखाया और एटीएम कैश वैन को सड़क किनारे रोक दिया। वैन में आग को देख कर हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही थानाधिकारी चासीराम के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इस दौरान आग के भीतर से उठती ऊंची लपटों ने आसपास के लोगों को सहमा दिया। वैन की तीव्रता के चलते हाईवे के दोनों ओर करीब 2-2 किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर हाईवे एम्बुलेंस टीम ने तुरंत पहुंचकर रहत कार्य में सहयोग किया। वहीं अग्निशमन वाहन ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। करीब आधे घंटे बाद हालात सामान्य हुए, जिसके बाद पुलिस ने यातायात को व्यवस्थित रूप से सुचारू कराया।

#### गैस सिलिंडर लीकेज से भड़की आग, एक ही परिवार के सात लोग झुलसे

कोटपूतली-बहरोड़, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भिवाड़ी के साथलका गांव स्थित बिल्लू लेकर कोलोनी में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। खाना बनाने समय गैस सिलिंडर में हुए लीकेज के चलते अचानक भीषण आग भड़क उठी, जिसमें एक ही परिवार के सात लोग बुरी तरह झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों में चीख-पुकार सुनाई देने लगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरप्रदेश निवासी 35 वर्षीय नरें सिंह अपने परिवार के साथ कोलोनी में किराए के कमरे में रह रहा था। सुबह वह खाना बनाने के दौरान गैस सिलिंडर बदल रहा था। इसी दौरान नए सिलिंडर से गैस का रिसाव होने लगा। कुछ ही पलों में कमरे में एलपीजी गैस फैल गई और आग के संपर्क में आते ही तेज धमाके के साथ आग ने विकराल रूप ले लिया।

#### अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का बड़ा खुलासा पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आती थी हेरोइन



बीकानेर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की बीकानेर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। खाजूवाला थाना पुलिस ने इस गिरोह से जुड़े दो सप्लायरों को जयपुर से दबोचा है, जो सीमा पर से ड्रोन के जरिए भेजी जा रही हेरोइन को रिसीव कर मुख्य सरगना तक पहुंचाने का काम करते थे। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। इस मामले में जल्द ही बड़े खुलासे होने की संभावना है। यह कार्रवाई ऑपरेशन नीलकंठ के तहत की गई, जिसमें पूराल थाने में

#### गिलहरी को हुआ ब्रेन डिसऑर्डर ?

जिसको देखती उसे काटती; कॉलेज कैम्प में अबक 18 लोगों को काटा उदयपुर, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मोहनलाल सुखाड़िया आर्ट्स कॉलेज में इन दिनों एक गिलहरी का खोंफ छाया हुआ है। आमतौर पर शांत और मासूम समझी जाने वाली यह गिलहरी बीते एक महीने में 18 से अधिक लोगों पर हमला करने लगी है, जिसके छात्र-छात्राओं के साथ-साथ कॉलेज परिसर के बाहर खुले मैदान में बैठने से भी कतराने लगे हैं। कॉलेज स्टाफ के अनुसार, यह गिलहरी अचानक लोगों पर झपट्टा मार देती है और कई लोगों को काट चुकी है। इसके कारण पूरे परिसर में डर का माहौल बन गया है. हालत यह है कि अब लोग गिलहरी को इस गिलहरी को काट रहा है, उन्हें डॉक्टरों की सलाह पर रवोज के इंजेक्शन दिए जा रहे हैं। आर्ट्स कॉलेज के डीन प्रोफेसर मदन सिंह राठौड़ ने बताया कि कुछ दिन पहले यह मामला उनके संजान में आया था, जिसके बाद रेस्क्यू के लिए टीम को बुलाया गया. हालांकि टीम मौके पर पहुंची, लेकिन गिलहरी को पकड़ने में सफलता नहीं मिली. छात्रों के अनुसार, यह गिलहरी बेहद आक्रामक है और किसी को देखते ही हमला कर देती है. अब प्रशासन दोबारा रेस्क्यू टीम बुलाने की तैयारी कर रहा है. पीपुल्स फ्रंट एनिमल्स उदयपुर के अध्यक्ष सत्यजीत रांघ का कहना है कि यह एक जंगली जीव है और अत्यधिक गर्मी के कारण इसके व्यवहार में बदलाव आ सकता है. उन्होंने बताया कि गर्मी के कारण ब्रेन डिसऑर्डर या भूख जैसी स्थितियां गिलहरी को आक्रामक बना सकती हैं. सामान्यतः गिलहरियां ईसानों को नहीं काटतीं, लेकिन मानसिक असंतुलन के कारण ऐसा व्यवहार संभव है. उन्होंने यह भी कहा कि गिलहरी का रेस्क्यू करना आसान नहीं होता और पूरी स्थिति का अध्ययन करने के बाद ही उचित कदम उठाया जाएगा.



कर चुकी है, जिससे छात्र-छात्राओं के साथ-साथ कॉलेज स्टाफ की दहशत में है. स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि छात्र अब कॉलेज परिसर के बाहर खुले मैदान में बैठने से भी कतराने लगे हैं. कॉलेज स्टाफ के अनुसार, यह गिलहरी अचानक लोगों पर झपट्टा मार देती है और कई लोगों को काट चुकी है. इसके कारण पूरे परिसर में डर का माहौल बन गया है. हालत यह है कि अब लोग गिलहरी को इस गिलहरी को काट रहा है, उन्हें डॉक्टरों की सलाह पर रवोज के इंजेक्शन दिए जा रहे हैं। आर्ट्स कॉलेज के डीन प्रोफेसर मदन सिंह राठौड़ ने बताया कि कुछ दिन पहले यह मामला उनके संजान में आया था, जिसके बाद रेस्क्यू के लिए टीम को बुलाया गया. हालांकि टीम मौके पर पहुंची, लेकिन गिलहरी को पकड़ने में सफलता नहीं मिली. छात्रों के अनुसार, यह गिलहरी बेहद आक्रामक है और किसी को देखते ही हमला कर देती है. अब प्रशासन दोबारा रेस्क्यू टीम बुलाने की तैयारी कर रहा है. पीपुल्स फ्रंट एनिमल्स उदयपुर के अध्यक्ष सत्यजीत रांघ का कहना है कि यह एक जंगली जीव है और अत्यधिक गर्मी के कारण इसके व्यवहार में बदलाव आ सकता है. उन्होंने बताया कि गर्मी के कारण ब्रेन डिसऑर्डर या भूख जैसी स्थितियां गिलहरी को आक्रामक बना सकती हैं. सामान्यतः गिलहरियां ईसानों को नहीं काटतीं, लेकिन मानसिक असंतुलन के कारण ऐसा व्यवहार संभव है. उन्होंने यह भी कहा कि गिलहरी का रेस्क्यू करना आसान नहीं होता और पूरी स्थिति का अध्ययन करने के बाद ही उचित कदम उठाया जाएगा.

## बेटे के सामने पिता को नदी की गहराई में खींच ले गया मगरमच्छ, चार घंटे बाद मिला शव

कोटा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में चंबल नदी के किनारे खड़े पिता-पुत्र पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। इस दौरान मगरमच्छ एक शख्स को दबोचकर नदी की गहराई में खींचकर ले गया। घटना के बाद ग्रामीण इलाकों में हड़कंप मच गया। बेटे की जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीणवासी मदद के लिए दौड़ पड़े। यह घटना खातौली थाने इलाके के घटोद गांव में सामने आई है।

**भेड़ें चरा रहे थे पिता और बेटे**

स्थानीय निवासी ओंकार सिंह ने बताया कि घटोद गांव निवासी 45 वर्षीय मुरली गुर्जर अपने दो बेटों चंद्र प्रकाश और गोल्डू के साथ चंबल नदी किनारे भेड़ें चरा रहे थे और उन्हें नहला रहे थे। इसी दौरान अचानक मगरमच्छ ने

हमला कर दिया।

**पहले बेटे पर झपट्टा, फिर पिता को दबोचा**

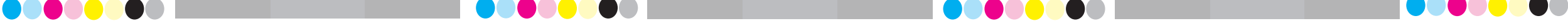
बताया गया कि मगरमच्छ ने पहले चंद्र प्रकाश पर झपट्टा मारा, लेकिन चंद्र प्रकाश ने खुद को बचा लिया और नदी से बाहर निकलने की कोशिश की। तभी मगरमच्छ ने मुरली को अपने जबड़ों में दबोच लिया और खींचते हुए पानी की गहराई में ले गया।

**बेटे के शोर पर दौड़े ग्रामीण**

घटना के बाद बेटों ने शोर मचाया, जिस पर ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। हमले में घायल हुए चंद्र प्रकाश को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना से पूरे गांव में भय और दुख का माहौल बन गया।

पुलिस और वन विभाग की टीम पहुंची मौके पर

इटावा डीएसपी ओम प्रकाश ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। शुरुआती दौर में जरूरी संसाधन उपलब्ध नहीं होने के कारण रेस्क्यू अभियान में काफी दिक्कतें आईं। ग्रामीणों ने नावों से की तलाश घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण भी अपने स्तर पर नावों के जरिए तलाश में जुटे रहे। करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद एसडीआरएफ टीम के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने घटनास्थल से कुछ दूरी पर मुरली के शव को नदी से बाहर निकाल लिया और पुलिस को सुपुर्द कर दिया। हादसे की सूचना मिलने के बाद भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष प्रेम गोयर भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की।



# इंदिरम्मा आवास योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार प्रतिष्ठित इंदिरम्मा आवास योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना की प्रगति सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए।

मंत्री ने निदेशित किया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में प्रतिवर्ष 3,500 मकानों का निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए और लाभार्थियों के लिए गृह प्रवेश कार्यक्रम समय पर आयोजित हो। वह गुरुवार को हिमाचलनगर स्थित राज्य

आवास निगम कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे, जिसमें पूर्ववर्ती करीमनगर जिले की 13 विधानसभा क्षेत्रों में इंदिरम्मा आवास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता राज्य एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने की। इसमें मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, लक्ष्मण कुमार सहित सांसद, विधायक, एमएलसी, निगम अध्यक्ष, आवास निगम के प्रबंध निदेशक वी.पी. गौतम, जिलाधिकारी और विभिन्न



विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बैठक में उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रीधर बाबू ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उनका शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से वन भूमि से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के साथ निपटाने और वन स्वीकृतियों में किसी भी प्रकार की देरी न होने देते पर जोर दिया, ताकि आवास निर्माण कार्य प्रभावित न हो। मंत्री ने जिलाधिकारियों से कहा कि वे

अपने विवेकाधीन अधिकारों का प्रभावी उपयोग करते हुए मुआवजा और भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान करें। उन्होंने विभागों के बीच समन्वय मजबूत करने और कार्यों की सतत निगरानी बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रक्रिया संबंधी बाधाओं के नाम पर अनावश्यक देरी करने के बजाय मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए। कड़ी चैतावनी देते हुए मंत्री ने कहा कि आवास निर्माण के लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहने वाले अधिकारियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

### लेफ्टिनेंट जनरल ने इन्फैंट्री स्कूल के कमांडेंट का पदभार संभाला

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। लेफ्टिनेंट जनरल विजय बी. नायर, एवीएसएम, एसएम, 1 मई 2026 को इन्फैंट्री स्कूल के कमांडेंट का पदभार ग्रहण करेंगे। सैनिक स्कूल कझाकूटम, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट जनरल नायर को जून 1988 में 21 पंजाब रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त हुआ था और बाद में उन्होंने इसी बटालियन का नेतृत्व भी किया। लगभग चार दशकों के अपने विशिष्ट सैन्य करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कमांड, स्टाफ और प्रशिक्षण संबंधी जिम्मेदारियां निभाई हैं। इनमें डेजर्ट स्ट्राइक कोर, लेह सब एरिया, जम्मू-कश्मीर स्थित टाड़गर डिवीजन तथा पंजाब में वज़्र कोर में नेतृत्वकारी भूमिकाएं शामिल हैं।

# महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस पर अड़ंगा डालने का आरोप : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण विधेयक के क्रियान्वयन में बाधा डाली है।

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि परिसीमन से जुड़ा यह विधेयक निष्पक्ष प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि 1971 में भारत की जनसंख्या 55 करोड़ थी, जो अब बढ़कर 1.4 अरब से अधिक हो गई है, ऐसे में सीटों का पुनर्निर्धारण आवश्यक है। उनके अनुसार, प्रस्तावित परिसीमन से लोकसभा सीटों में वृद्धि हो सकती थी और महिलाओं, दलितों तथा आदिवासी समुदायों के लिए अधिक अवसर सृजित होते, साथ



ही निर्वाचन क्षेत्रों के आकार में असमानता भी दूर होती। किशन रेड्डी ने इस आशका को खारिज किया कि परिसीमन से दक्षिणी राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया टीम इंडिया की भावना के तहत संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर

ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण सुधारों का विरोध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी जनहित से अधिक राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देती रही है। उन्होंने लोगों से हैदराबाद में आयोजित होने वाली जन आक्रोश सभा में भाग लेने का भी आह्वान किया, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे।

### रबी धान खरीद में तेलंगाना ने पार किया 10 लाख मीट्रिक टन का आंकड़ा

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति विभाग ने रबी विपणन सत्र 2025-26 के दौरान 10.2 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) धान की सफलतापूर्वक खरीद कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नागरिक आपूर्ति आयुक्त एम. स्टीफन रविंद्र के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने अब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत किसानों को 500.20 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे उनके खातों में जारी किया है। इस तेज खरीद अभियान के तहत राज्यभर में एक लाख से अधिक किसानों के साथ लेनदेन पूरा किया जा चुका है। धान की भारी आवक को संभालने के लिए विभाग पूरी क्षमता से कार्य कर रहा है। सभी 8,575 धान क्रय केंद्र (पीपीसी) राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित हैं और सक्रिय रूप से किसानों से धान की खरीद कर रहे हैं। इनमें 4,350 केंद्र प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स), 3,563 केंद्र आईकेपी तथा 662 केंद्र अन्य एजेंसियों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। किसान बड़ी मात्रा में महीन और मोटे दोनों प्रकार के धान ला रहे हैं। अब तक 4.50 एलएमटी महीन किस्म (सना रम्म) और 5.50 एलएमटी मोटी किस्म (डोड्डु रम्म) की खरीद की जा चुकी है। विभाग खरीदे गए धान का त्वरित उठान भी सुनिश्चित कर रहा है, ताकि भंडारण में कहीं समस्या न उत्पन्न हो।

### सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों का मल्काजिगिरी में सम्मान



हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजिगिरी पुलिस कमिश्नरेट में कार्यरत तीन पुलिस अधिकारियों के सेवानिवृत्ति अवसर पर कमिश्नरेट कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस आयुक्त के निर्देश पर आयोजित हुआ। सम्मानित अधिकारियों में के. कुरुणार्क रेड्डी (सब-इंस्पेक्टर, एंटी ह्युमन ट्रैफिकिंग), एच. बंडैया (सब-इंस्पेक्टर, सस्तरनगर पुलिस स्टेशन) तथा बी. किठेया (रिजर्व सब-इंस्पेक्टर, आरड्ड हेड क्वार्टर) शामिल रहे, जिन्होंने सेवा निवृत्ति प्राप्त की। मल्काजिगिरी के एडमिन डीसीपी शिव कुमार ने इस अवसर पर कहा कि पुलिस सेवा अनेक चुनौतियों से भरी होती है। इन अधिकारियों ने अपने कार्यकाल में कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए अनुशासन और समर्पण के साथ लंबे समय तक उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं, जो सराहनीय है। कार्यक्रम में सीएओ एडमिन श्रीनिवास, चीफ अकाउंट्स ऑफिसर श्रीनिवास, अशोक रेड्डी (असिस्टेंट अकाउंट्स ऑफिसर), पुलिस अधिकारी संच के अध्यक्ष सी.एच. भद्रा रेड्डी, कृष्णा रेड्डी, एस्टेट ऑफिसर नायडू, को-ऑपरेटिव अकाउंट्स ऑफिसर प्रदीप कुमार, ट्रेजरर बालराजू, डायरेक्टर्स सुवर्ण, वलराजू सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

### मक्के की फसल जलने के मामले में जांच व मुआवजे के निर्देश



नर्मल, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पेम्ब्ली मंडल में मक्के की फसल जलने की घटना पर संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को जांच करने तथा प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई खानपुर क्षेत्र के बीआरएस नेता भुक्का जॉनसन नाइक द्वारा सामाजिक माध्यम पर की गई शिकायत के बाद की गई। इसके पश्चात जिला कलेक्टर भावेश मिश्रा ने फसल नुकसान के कारणों की जांच कर तत्काल राहत प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की।

जानकार के अनुसार, पेम्ब्ली मंडल मुख्यालय में हाल ही में हुए विद्युत शॉर्ट सर्किट के कारण लगभग पांच एकड़ में खड़ी और कटाई के लिए तैयार मक्के की फसल जलकर नष्ट हो गई। किसानों ने इस घटना के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। इस घटना से संबंधित एक वीडियो भी प्रसारित हुआ, जिसमें किसान नुकसान का आकलन करते दिखाई दिए तथा महिलाएं फसल जलने पर दुःख व्यक्त करती नजर आईं। किसानों ने इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

### कविता की पार्टी के नाम को निर्वाचन आयोग की मंजूरी

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग ने पूर्व सांसद कलवकुंतला कविता द्वारा गठित नई राजनीतिक पार्टी के नाम तेलंगाना रक्षणा सेना (टीआरएस) को मंजूरी दे दी है। आयोग का स्वीकृति पत्र बंजारा हिल्स स्थित कविता के आवास पर सौंपा गया। इससे पहले उन्होंने 25 अप्रैल को मेडचल मल्काजिगिरी जिले में आयोजित एक जनसभा में तेलंगाना राष्ट्र सेना नाम प्रस्तावित किया था, लेकिन आयोग ने उनके द्वारा दिए गए विकल्पों में से तेलंगाना रक्षणा सेना को स्वीकृति प्रदान की। पार्टी के नाम को मंजूरी मिलने पर खुशी जताते हुए कविता ने कहा कि उनकी पार्टी तेलंगाना की पहचान और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा पर केंद्रित रहेगी। उन्होंने कहा कि यह नाम उनकी लंबे समय से चली आ रही राज्य के लिए प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

## अवतरण दिवस 3 मई को अमृतधाम आश्रम में

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन के तत्वावधान में सुधांशु महाराज का 71वाँ अवतरण दिवस उल्लास-पूर्व-महोत्सव के रूप में 3 मई को अमृतधाम आश्रम मंचिरेउला ग्राम गंडीपेट रोड नारसीपी के सत्संग हाल में मनाया जाएगा। मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा के अनुसार संपूर्ण विश्व में 2 मई को सुधांशु महाराज का अवतरण दिवस मनाया जायेगा, इसी श्रृंखला में हैदराबाद मंडल में 3 मई को मनाया जाएगा। गुरुभक्तों द्वारा नगरद्वय के अलग अलग 71 मंदिरों में गुरुदेव के दीर्घ आयु हेतु पूजा अर्चना की जाएगी। सुबह ठीक 10 बजे सामूहिक महामृत्युंजय महामंत्र और महामृत्युंजय महायज्ञ किया जाएगा, चरण पादुका पूजन, गुरु पूजन और गुरु-वंदना का कार्यक्रम आश्रम के वैदिक विद्वान ब्राह्मण पंडित सर्वज शर्मा और शशी शर्मा के मार्गदर्शन में सुबह 11 बजे आयोजित किया जाएगा। अवसर पर भजन-कीर्तन, विडिओ सत्संग सुबह 11:30 बजे रहेगा । दोपहर 12:31 बजे गुरुदेव जी का आशीर्वाद रूप में विशेष संदेश नई दिल्ली से फोन द्वारा प्राप्त होगा। अवसर पर गुरुदेव के आध्यात्मिक, धार्मिक प्रवचन की डाक्यूमेंट्री दिखाई जाएगी। दोपहर 1 बजे गुरुदेव के दक्षिण बाई-बहन भक्तों द्वारा भंडारा-महाप्रसाद आरंभ किया जाएगा। विश्व जागृति मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर और मिशन हैदराबाद मण्डल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल ने समस्त गुरुभक्त भाई-बहनों ईष्ट मित्रों से समयानुसार कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

### हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)।

मल्काजिगिरी पुलिस कमिश्नरेट में कार्यरत तीन पुलिस अधिकारियों के सेवानिवृत्ति अवसर पर कमिश्नरेट कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस आयुक्त के निर्देश पर आयोजित हुआ। सम्मानित अधिकारियों में के. कुरुणार्क रेड्डी (सब-इंस्पेक्टर, एंटी ह्युमन ट्रैफिकिंग), एच. बंडैया (सब-इंस्पेक्टर, सस्तरनगर पुलिस स्टेशन) तथा बी. किठेया (रिजर्व सब-इंस्पेक्टर, आरड्ड हेड क्वार्टर) शामिल रहे, जिन्होंने सेवा निवृत्ति प्राप्त की। मल्काजिगिरी के एडमिन डीसीपी शिव कुमार ने इस अवसर पर कहा कि पुलिस सेवा अनेक चुनौतियों से भरी होती है। इन अधिकारियों ने अपने कार्यकाल में कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए अनुशासन और समर्पण के साथ लंबे समय तक उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं, जो सराहनीय है। कार्यक्रम में सीएओ एडमिन श्रीनिवास, चीफ अकाउंट्स ऑफिसर श्रीनिवास, अशोक रेड्डी (असिस्टेंट अकाउंट्स ऑफिसर), पुलिस अधिकारी संच के अध्यक्ष सी.एच. भद्रा रेड्डी, कृष्णा रेड्डी, एस्टेट ऑफिसर नायडू, को-ऑपरेटिव अकाउंट्स ऑफिसर प्रदीप कुमार, ट्रेजरर बालराजू, डायरेक्टर्स सुवर्ण, वलराजू सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## पीएम इंटरनशिप योजना के लिए 14 मई तक आवेदन करें

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले में माई भारत की उप निदेशक स्नेहल ध्यानेश्वर बसुतकर ने विद्यार्थियों और युवाओं से प्रधानमंत्री इंटरनशिप योजना (पीएमआईएस) के लिए 14 मई 2026 की अंतिम तिथि से पहले आवेदन करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत देश की अग्रणी कंपनियों में सवेतन इंटरनशिप के अवसर प्रदान किए जाते हैं, जिससे युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक कार्य अनुभव प्राप्त होता है।

उप निदेशक ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य शैक्षणिक अध्ययन और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करना तथा युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाना है।

योजना के तहत इंटर्न को प्रतिमाह अधिकतम 9,000 रुपये का वजीफा मिलेगा, जिसमें से 8,100 रुपये केंद्र सरकार द्वारा सीधे दिए जाएंगे, जबकि 900 रुपये संबंधित कंपनी द्वारा प्रदान किए जाएंगे। प्रशिक्षण का पूरा खर्च कंपनी वहन करेगी। इसके अलावा इंटर्न को जीवन एवं दूर्यटना बीमा सुविधा और आकस्मिक खर्चों के लिए एकमुश्त 6,000 रुपये की सहायता भी दी जाएगी।

इंटरनशिप की अवधि 6 से 9 महीने तक होगी और सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के वे अभ्यर्थी, जो पूर्णकालिक शिक्षा या रोजगार में संलग्न नहीं हैं तथा कक्षा 10 से स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई कर रहे हैं या पूरी कर चुके हैं, माई भारत पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

### कांग्रेस सरकार पर किसानों की बुढ़ाा पड़ेगी : रामचंद्र राव

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने गुरुवार को कांग्रेस सरकार पर राज्य की धान खेती व्यवस्था को ध्वस्त करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही और कुप्रबंधन के कारण किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। भुवनागिरि मंडल के खरीद केंद्रों का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत में राव ने बताया कि किसानों को 10 दिनों से अधिक समय तक ट्रक, तिरपाल और तौल सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, जिससे धान अंकुरित हो रहा है।

भुवनागिरि मंडल के खरीद केंद्रों का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत में राव ने बताया कि किसानों को 10 दिनों से अधिक समय तक ट्रक, तिरपाल और तौल सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, जिससे धान अंकुरित हो रहा है। मंत्री ने एक्सप्लोर टू एक्सप्लोर का लोगो भी जारी किया। यह एक अंतरराष्ट्रीय मंच है, जिसका उद्देश्य व्यवसायों, निर्यातकों, छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों को वैश्विक अवसरों की खोज और सीमाओं से

परे विस्तार करने में सहायता प्रदान करना है। इस मंच के माध्यम से वैश्विक मिशन, निर्यात प्रोत्साहन यात्राएं, छात्र एक्सपोजर कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

इसे भविष्य की सोच वाली पहल बताते हुए मंत्री ने व्यवसायों, निर्यातकों और छात्रों से इसमें सक्रिय भागीदारी कर वैश्विक बाजारों का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने इस पहल की परिकल्पना और नेतृत्व करने के लिए संतोष कुमार मख्ताला की सराहना की, जिन्होंने तेलंगाना और भारत की प्रतिभा एवं उद्यमों को वैश्विक मंच से जोड़ने का कार्य किया है। पहला ई2ई मिशन 21 से 24 मई तक सिंगापुर में आयोजित किया जाएगा, जो अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों की श्रृंखला की शुरुआत होगी। इस पहल का उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना, उद्यमिता को प्रोत्साहित करना और तेलंगाना की ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के विजन को सशक्त करना है। कार्यक्रम में भाजपा विधायक पायल शंकर, टीकंसल्ट की निदेशक भाग्य लक्ष्मी वाकिंति, सचिव यामिनी मडुकुरी, केशव सोनी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## आईएफएस अधिकारियों का तबादला एक दर्जन वन अधिकारियों के स्थानान्तरण आदेश जारी

मंचेरियल, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में प्रशासनिक कारणों से भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारियों के व्यापक फेरबदल के तहत एक दर्जन से अधिक वन अधिकारियों का तबादला किया गया है। इस संबंध में आदेश राज्य के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने बुधवार शाम को जारी किए। आदेशों के अनुसार, तेलंगाना वन अकादमी के मुख्य वन संरक्षक एवं अतिरिक्त निदेशक ए. रमेश (2004 बैच) का तबादला कर उन्हें हैदराबाद स्थित अनुसंधान एवं विकास सर्कल में वन संरक्षक के पद पर तैनात किया गया है। वहीं, अकादमी के संचालक निदेशक बी. प्रवीण को मुत्तलु स्थित वन महाविद्यालय अनुसंधान संस्थान का डीन बनाया गया है।

इसी क्रम में, मंचेरियल के जिला वन अधिकारी (डीएफओ) शिव आशीष सिंह और कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के डीएफओ नीरज कुमार टेबरीवाल का भी तबादला किया गया है। शिव

को वैश्विक मंच से जोड़ने का कार्य किया है।

पहला ई2ई मिशन 21 से 24 मई तक सिंगापुर में आयोजित किया जाएगा, जो अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों की श्रृंखला की शुरुआत होगी। इस पहल का उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना, उद्यमिता को प्रोत्साहित करना और तेलंगाना की ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के विजन को सशक्त करना है। कार्यक्रम में भाजपा विधायक पायल शंकर, टीकंसल्ट की निदेशक भाग्य लक्ष्मी वाकिंति, सचिव यामिनी मडुकुरी, केशव सोनी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आशीष सिंह के स्थान पर राहुल किशन जाधव को नियुक्त किया गया है, जबकि सीएच बालमणि को कुमराम भीम आसिफाबाद जिले का डीएफओ बनाया गया है। नीरज कुमार टेबरीवाल को कामारेड्डी का डीएफओ और शिव आशीष सिंह को महबूबनगर का डीएफओ नियुक्त किया गया है। अन्य स्थानांतरणों में विकास मीना (नजामाबाद), सिद्धार्थ विक्रम सिंह (खम्मम) और सीएच बालमणि (राजन्ना सिरसिला) शामिल हैं। विकास मीना को मुत्तलु, जबकि सिद्धार्थ विक्रम सिंह को निजामाबाद का डीएफओ बनाया गया है। अनुज अग्रवाल और एस. सत्यानारायण को क्रमशः खम्मम और राजन्ना सिरसिला जिलों का डीएफओ नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, सहायक वन संरक्षक जी. ज्ञानेश्वर का भी तबादला कर उन्हें प्रधान मुख्य वन संरक्षक के समक्ष रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

Email :

[svaarthta2006@gmail.com](mailto:svaarthta2006@gmail.com)

[svaarthta.thereidiff.com](http://svaarthta.thereidiff.com)

[svaarthta2006@yahoo.com](mailto:svaarthta2006@yahoo.com)

Epaper :

[epaper.swatantravaartha.com](http://epaper.swatantravaartha.com)

For Advertisement :

[swadds1@gmail.com](mailto:swadds1@gmail.com)



# किसानों को केवल गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराए जाएं : मंत्री तुम्मला

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने स्पष्ट किया है कि राज्य में किसानों को केवल गुणवत्तापूर्ण एवं उच्च उत्पादकता वाले बीज ही उपलब्ध कराए जाएं और नकली बीजों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खरीफ 2026 सीजन से पहले किसानों को आवश्यक बीज समय पर उपलब्ध कराए जाएं।

मंत्री ने गुरुवार को सचिवालय में कृषि विभाग, सीड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में खरीफ सीजन की तैयारियों के तहत विभिन्न फसलों के लिए बीजों की उपलब्धता की कंपनीवार और फसलवार समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में खरीफ 2026 के दौरान लगभग 134.66 लाख एकड़ में खेती होने का अनुमान है, जिसके लिए 19.42 लाख किंटल बीजों की आवश्यकता होगी। वर्तमान में राज्य में 38.21 लाख किंटल बीज उपलब्ध हैं, जो आवश्यकता से लगभग दोगुना है। कपास की खेती

## > बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की



के संदर्भ में अधिकारियों ने बताया कि 52 लाख एकड़ लक्ष्य के लिए 104 लाख पैकेट की आवश्यकता के मुकाबले 212.11 लाख पैकेट उपलब्ध हैं। मंत्री ने कहा कि यह अतिरिक्त उपलब्धता किसानों के लिए भरोसा बढ़ाने वाली है। मंत्री ने निर्देश दिया कि बीजों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा सीड टेस्टिंग लैब के माध्यम से निरंतर निगरानी की जाए। नकली बीजों की रोकथाम के लिए पुलिस विभाग के साथ समन्वय बनाकर सख्त कार्रवाई करने को कहा गया। साथ ही जिला से मंडल स्तर तक

विशेष टास्क फोर्स गठित कर अवैध भंडारण, परिवहन और बिक्री पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि एचटी कपास बीजों को राज्य में प्रवेश करने से रोकने के लिए सीमाओं पर कड़ी निगरानी रखी जाए। लूज कपास बीजों की अवैध आवाजाही को रोकने के लिए सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। को-मार्केटिंग व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि इस प्रणाली में पारदर्शिता की कमी है और कंपनियां इसका दुरुपयोग कर रही हैं। आवश्यकता पड़ने पर को-

मार्केटिंग को पूरी तरह समाप्त करने के विकल्प पर भी विचार किया जाएगा। उन्होंने कंपनियों को हर महीने अपने स्टॉक विवरण सरकार को देने के निर्देश दिए और सेल्फ सर्टिफाइड बीजों से होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी कंपनियों पर डालने की बात कही।

मंत्री ने कहा कि धान की किस्मों का चयन किसानों, मिलरों और उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुसार तथा अंतरराष्ट्रीय निर्यात मानकों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। सभी कंपनियों को 15 मई से बीज किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा मृदा उर्वरता बढ़ाने के लिए हरी खाद (ग्रीन मैन्यूर) बीजों के वितरण पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए 1.95 लाख किंटल बीज वितरण हेतु 13.4 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मंत्री ने दोहराया कि नकली बीजों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी और किसानों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे। इसी दौरान डेवलपमेंट इन्वैशेन लैब के प्रतिनिधियों ने मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव से मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने किसानों को मौसम संबंधी जानकारी एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराने वाले अपने प्रोजेक्ट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पहल से किसान बूवाई, कटाई और बाजार में बिक्री का समय पहले से तय कर सकते हैं, जिससे नुकसान कम होता है। प्रतिनिधियों ने इस परियोजना के लिए सरकारी सहयोग की मांग की, जिस पर मंत्री ने कृषि विभाग के अधिकारियों को प्रस्ताव का अध्ययन कर आवश्यक निर्णय लेने के निर्देश दिए।

# मलकपेट में एसआईआर समीक्षा बैठक मतदाता मैपिंग में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्पेशल इंटसिव रिवीजन (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत आज 58-मलकपेट विधानसभा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता तेलंगाना के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी वासम वेंकटेश्वर रेड्डी, एसएस ने की।

इस अवसर पर निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी एम. मंगातायारू, सहायक निर्वाचन अधिकारी (एसआईआर), बीएलओ (एसआईआर) तथा बीएलओ उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिया कि वर्ष 2025 की मतदाता सूची में शामिल सभी पात्र मतदाताओं को वर्ष 2002 की मतदाता सूची से अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए।



उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में मैपिंग प्रक्रिया धीमी गति से चल रही है, जिसे तेज करने के लिए बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाताओं का विवरण एकत्र करना होगा। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर मैपिंग प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए तथा इस कार्य में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए की सहायता लेने को भी कहा। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे एसआईआर प्रक्रिया के तहत मैपिंग कार्य में

सक्रिय सहयोग दें। मलकपेट विधानसभा क्षेत्र में अब तक केवल 29.17 प्रतिशत मैपिंग कार्य पूरा होने पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी एवं डिप्टी कमिश्नर, मलकपेट, तहसीलदार सैदाबाद, सहायक नगर आयुक्त, सहायक बीएलओ सुपरवाइजर तथा अनेक बीएलओ उपस्थित रहे।

## कुष्ठ रोग की स्थिति नियंत्रण में : डॉ. रविंदर नायक

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक हेल्थ डायरेक्टर डॉ. रविंदर नायक ने स्पष्ट किया कि राज्य में कुष्ठ रोग को लेकर किसी प्रकार की चिंताजनक स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि नए मामलों में असामान्य वृद्धि होने का दावा तथ्यात्मक नहीं है। तेलंगाना राज्य पहले ही केंद्र सरकार के मानकों के अनुसार कुष्ठ रोग के एलिमिनेशन स्तर को प्राप्त कर चुका है, जिसे एराडिकेशन से अलग माना जाता है। डॉ. नायक ने बताया कि राज्य में कुष्ठ रोग के मामलों की पहचान

के लिए निरंतर स्क्रीनिंग की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार प्रति 10 हजार जनसंख्या पर एक या उससे कम मामले होना एलिमिनेशन की श्रेणी में आता है और इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा नहीं माना जाता। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य की जनसंख्या लगभग 4 करोड़ है, जबकि प्रति वर्ष औसतन केवल 2600 मामले ही दर्ज हो रहे हैं। पिछले चार वर्षों के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 में 2950, 2023

में 2607, 2024 में 2376 और 2025 में 2592 मामले दर्ज किए गए। डॉ. नायक ने कहा कि प्रत्येक मरीज को मल्टी ड्रा थैपेपी (एमडीटी) के तहत मुफ्त और पूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। समय पर पहचान और उपचार से कुष्ठ रोग पूरी तरह ठीक हो सकता है, इसलिए लोगों को घबराने का आवश्यकता नहीं है। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि वे जनजागरूकता बढ़ाने में सहयोग करें और तथ्यात्मक जानकारी प्रसारित करें।

## छात्रा ने की आत्महत्या

मेदक, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले में असफलता के डर से एक 10वीं कक्षा की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। उसके नतीजों ने सभी को चौंका दिया क्योंकि उसने 600 में से 480 अंक प्राप्त किए। पोडिचेनल्लू की निवासी मृनुक बनोथ साई प्रिया (17) पड़ोसी कोथापल्लू गांव में स्थित जिला परिषद हाई स्कूल में पढ़ रही थी। उसका छोटा भाई शंकर (15) भी उसका सहाया था।

बुधवार को जब शंकर ने साई प्रिया के परिणाम देखे, तो उसने पाया कि साई प्रिया ने 480 अंक प्राप्त किए थे, जबकि शंकर को केवल 441 अंक मिले थे। लड़के ने बताया कि उसकी बहन हमेशा कक्षा से बेहतर प्रदर्शन करती थी। साई प्रिया ने परीक्षा में असफल होने के डर से 24 अप्रैल को अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

# सुझावों के आधार पर शासनादेशों में आवश्यक संशोधन : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सूचना, जनसंपर्क, राजस्व एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकार पत्रकारों के लिए देश में आदर्श मॉडल स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। तेलंगाना सरकार राज्य के सभी पात्र पत्रकारों को मान्यता (अक्रिडिटेशन) कार्ड प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुरुवार को सूचना विभाग के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने पत्रकारों को नए अक्रिडिटेशन कार्ड वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार पत्रकारों को स्वास्थ्य समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है। मंत्री ने कहा कि पूर्व सरकार ने जहां 32,500 पत्रकारों को अक्रिडिटेशन देने की क्षमता होने के बावजूद केवल 23,352 तक सीमित रखा, वहीं वर्तमान सरकार ने इसे बढ़ाकर लगभग 46 हजार से अधिक



पत्रकारों तक पहुंचाने का निर्णय लिया है। अब तक करीब 2,800 कार्ड स्वीकृत किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि पत्रकारों के सुझावों के आधार पर शासनादेशों (जीओ) में आवश्यक संशोधन किए गए हैं और पात्र पत्रकारों को कार्ड देने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। सभी जिलों में 1 मई से अक्रिडिटेशन कार्ड वितरण के लिए कलेक्टरों को निर्देश जारी किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि 10 मई को

अंतिम तिथि निर्धारित करते हुए उस दिन तक प्राप्त सभी आवेदनों को स्वीकार किया जाएगा। अक्रिडिटेशन की कुल संख्या तय होने के बाद पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य और अन्य सुविधाओं की व्यापक योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पत्रकारों के संस्थान बदलने पर भी अक्रिडिटेशन प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी और इसमें किसी प्रकार की बाधा नहीं होगी। राज्य में पत्रकार

कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जल्द ही पत्रकार संगठनों के साथ बैठक भी आयोजित की जाएगी। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि जिन पत्रकारों के बस पास 30 अप्रैल को समाप्त हो रहे हैं, उन्हें 15 दिनों के लिए बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम में मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी, सूचना विभाग के विशेष आयुक्त मुकुंद रेड्डी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# बिना बाधा बिजली आपूर्ति सरकार की प्राथमिकता : डिप्टी सीएम

## > ऊर्जा विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में बढ़ती गर्मी और उससे उत्पन्न हो रही बिजली मांग के मद्देनजर सरकार का मुख्य लक्ष्य बिना किसी बाधा के निरंतर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उप मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मल्ल भट्टी विक्रमार्क ने यह बात स्पष्ट की। देशभर में बढ़ती बिजली मांग के परिप्रेक्ष्य में उप मुख्यमंत्री ने प्रजाभवन में ऊर्जा विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

अधिकारियों ने बताया कि तेज गर्मी के कारण घरों और कार्यालयों में एसी तथा कूलर के उपयोग में भारी वृद्धि हुई है। इसके साथ ही कृषि आवश्यकताओं के कारण भी ग्रिड पर दबाव बढ़ रहा है। इस पर मंत्री ने निर्देश दिए कि देशभर में बिजली बाजार पर दबाव होने के



बावजूद राज्य की जरूरतों में कोई कमी न आए, इसके लिए पावर एक्सचेंजों के माध्यम से अतिरिक्त बिजली की खरीद सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से अस्पतालों, पेयजल आपूर्ति योजनाओं और अन्य आपात सेवाओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के लिए सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही राज्य में

उपलब्ध सभी विद्युत उत्पादन केंद्रों का पूर्ण उपयोग करने और जल विद्युत उत्पादन को प्रभावी ढंग से संचालित करने को कहा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है, इसलिए सभी बिजली कंपनियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अग्रिम योजनाएं तैयार करें। अधिकारियों ने आश्वासन

दिया कि राज्य की विद्युत व्यवस्था स्थिर है और किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारी की गई है। भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्थिति पर लगातार नजर रखें और सभी उपभोक्ताओं को विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि जनता को गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा फील्ड स्तर के कर्मचारियों को सतर्क बनाए रखा जाए। बैठक में ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव नवीन मित्तल, ट्रांसको सीएमडी कृष्ण भास्कर, जेनको सीएमडी हरीश, एसपीडीसीएल सीएमडी जितेश वी पाटिल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# फोन टैपिंग मामले में विपक्ष को फंसाने का आरोप

## > बीआरएस ने की निष्पक्ष जांच की मांग

**HINDU 2 HINDU BUSINESS NETWORKING**

You are Invited

**H2H Urja Business Meet**

Mr. Gopinath Katta

DATE: 08 APR 2026  
TIME: 8:30 AM TO 12:30 PM  
VENUE: H2H Urja Business Meet  
GALL: 0800 000 0000

H2H Members - 250/-  
Voice: 480/-  
Prepaid Member - Free (Lifelong)  
\$1001.54639

**सत्यनारायण गोपाल बल्लुवा**  
बिजनेस रोड नं 7, बंगलौर हिन्डू, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

**GB GOPAL BALDWA & GROUP**

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर चल रहे फोन टैपिंग मामले में विपक्षी नेताओं को फंसाने का आरोप लगाया है। पार्टी ने मामले की निष्पक्ष और साक्ष्य-आधारित जांच की मांग की है। गुरुवार को तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए बीआरएस के महासचिव एन.एस. प्रवीन कुमार ने आरोप लगाया कि सरकार ने केसीआर, केटीआर और टी. हरीश राव सहित पार्टी नेताओं को आरोपपत्र में शामिल करने के उद्देश्य से दूसरी विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले एक पुलिस अधिकारी की शिकायत पर पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

उन्होंने कहा कि जांच अभी अधूरी है, इसके बावजूद अधिकारियों पर इन नेताओं के नाम शामिल करने का दबाव बनाया जा रहा है। पिछले दो वर्षों में 350 से



अधिक गवाहों से पूछताछ की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई आरोपपत्र दाखिल नहीं किया गया है। पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रवीण कुमार ने कहा कि किसी भी सरकार के कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य से फोन टैपिंग कानूनी रूप से की जाती है, लेकिन वर्तमान मामले का उपयोग विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने इस मामले से जुड़े व्यक्तियों के साथ व्यवहार पर भी चिंता जताई। उनके अनुसार, पूर्व पुलिस अधिकारी प्रभाकर राव को कठोर हिरासत का सामना करना पड़ा और बीआरएस नेताओं के खिलाफ जबरन बयान दिलाने

के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कई मामलों का सामना कर रहे एक व्यवसायी पर बीआरएस एम्पलसी नवीन कुमार का नाम लेने के लिए दबाव डाला गया। प्रवीण कुमार ने सरकार पर पुलिस तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि राजनीतिक दबाव के कारण विभाग को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने बीआरएस नेताओं को निशाना बनाकर जासूसी और हैकिंग के प्रयासों का भी आरोप लगाया, जिसमें सीसीटीवी सिस्टम और मोबाइल फोन से छेड़छाड़ शामिल है, और इनकी अलग से एसआईटी जांच की मांग की। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें एम्पल आईएसपी की ओर से संभावित हैकिंग प्रयास का अलर्ट मिला था, जिसकी सूचना उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों को दे दी है। उन्होंने अधिकारियों को अवैध निर्देशों के तहत कार्रवाई करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## मस्जिद में घुसकर तोड़फोड़, इलाके में तनाव

हैदराबाद, 30 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात राजेंद्रनगर क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा मस्जिद में घुसकर उसे अपवित्र करने की घटना सामने आई, जिसके बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन में मस्जिद समिति के सदस्यों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, कुछ व्यक्तियों ने फाटक फांदकर मस्जिद में प्रवेश किया और परिसर में रखी वस्तुओं तथा पवित्र पुस्तकों को नुकसान पहुंचाया।

घटना की जानकारी देर रात मिलने पर एआईएमआईएम के एम्पलसी मिर्जा रहमत बेग और अन्य नेता मौके पर पहुंचे। वहीं, राजेंद्रनगर जोन के डीसीपी एस. श्रीनिवास अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने उपद्रवियों को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। एहतियात के तौर पर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

**हार्दिक बधाई**

**हिमांशु साँखला**

(Class IX, Little Flower School, Abids, Hyderabad)

**लिटिल फ्लॉवर स्कूल**

द्वारा स्टडी टूर के लिए **NASA, USA** प्रस्थान करने पर **हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं**

स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाओं के साथ ...

**घनश्याम-पुष्पा साँखला (बड़े दादा-दादी) बेंगलोर**

**देवीलाल-लीला साँखला (बड़े दादा-दादी) पाली**

**रमेश (रमशा)-संतोष साँखला (दादा-दादी) हैदराबाद**

**धीरेन्द्र-पूनम साँखला, संदीप-नुपुर साँखला, अभिमन्यु-अनिता साँखला (बड़े पापा-बड़ी मम्मी) बेंगलोर**

**राहुल-रेखा साँखला (पापा-मम्मी), हैदराबाद**

**प्रमोद-श्वेता साँखला (चाचा-चाची), हैदराबाद**

**SAINI GROUP** HYD 0900006662

**MOTHER INDIA FORMING PVT.LTD.** BANGLORE

**JAN HOSPITAL** PALI, RAJASTHAN